

. त्यांनंडाकः विवासी

क्षिमुक देमाहरू दिवस स्कृत शह

steel farfes per

GMP .

wants wen

কলিকাড

देशकाशकां कर मात्र महित करेगा।

可有一种性 3分44

সূচীপত্র।

1	र्घ लें।				•			•	PET T
অং	नाडाव्य रूक	Ti I	u	ø	ø	7	į,	6	5
64	शंरवंश रक्षका	} •	٠.	<i>(</i>)	8	Ф	.2	ŧ	4
FA	मत्त्रकी सम्ब	11	n '	D	•	>	O	•	ə
61	र्विहर रमन		ø	•	ď	. 6	•	ty	1
**	शास्त्र कृषि		tes of	459 (ě.	n.	n	w,	
٠,	भूबा राजा।	4	e	· ·	¢ · ·	,	ø	K 2	4
25	नित कहर ब	्रकात् क	र्यमग	1 2	o	* ·	r	14	8
gi 3	19 395 F	रिंद् यु	তি।		o .		13	ò	. &
45	শিৰ বড়ক ম			4 4	fielt a	英斯 [¢	e	4
15.3	ন্ধান ব্যু স া						o	.n	Ž.
**	भागी हातीब						ring:	# Z'	,
	看到 [ø	ž,	4	٠	11	F		3
A \$	ममद्भव कांड	र की	sis.	·	0	ø	13	14	8
d,	भगानत डीव	-	o	ø	•3	**	n	*	9
a s	इस्स विश्वाद		वाभित	1 1	新) (2)	10 61	Sept of	7-	•
	কোঞ্চ মা							0	-
si, 64	Merry un			•		ø	•	*	a
*	Aşton w					*	ø	•	3
-	কৃতিকার কম					1 48 TO	***	: 1	30
44	विभन्नेत वा							et .	. 33
*	untag min			0		0		•3	ંડર
ķ	माधुकी अक बू			faut:	তীৰ্ব হা	terit e	et z ci	r	3.3
2	Francis :					. 484 € 145 ™	9	, G)Š
	माधुद्रीत क्रथ	Wild.	NWN	हेन्द्र		ρ.	•	0	ر اف
	ममन कर्क्क	नारक व	1 5	i		0	6	4	. 50
	मगरमत्र क्षेत्रि	DACES	देवदवा	1	n Semi		r etwa		· 3 \$6.
	गापूती कर्क्क	कानीट	PIN	e win	Mark.		# 17 TT	1	" / W s.
	4. 15.	CA 1911 W	4 77	- 41.4	7 "	(F)	•	. •	

रू हो गत

				•	otal t	* 1
मिश्रक ।	.	. 0		•	0	>9
अब बाबुदीत शकि का बीह रेमदरांने	11 °	. •	, ,	•	•	\$
अब मापुरीत जीक का नाहर ने ने न	7) ·	. 0	•	,	•	1
क्ष सर्वत क छेम्राम वर्गम ! 0	ancher f	क्रांग्स क	क सि	লা ক	ari .	
 स्वतंत्र छ छेगाम वनन । समस जान चारिक गरवावर । के क्रण मित्रीच्या अंति वा 	क्⊘∞ ख्ला क्यार के रं	isaansening Charai		-	ख	
ভাগ্য নিজ' ও বিপান্তাৰ					o	* 3
ভাগ্য দিল, ও বিপ্রিটে	na y sanaapi I deel arian	n mariante.	· ·	क्रि	Š (70, 92
कांगा सिमा व विश्व करने व असरमञ्जू महिल्लामा देसवरीय	ne ne eco	7 0 W	***	ું કું જુમ (સું!	q j	₹.2
क्ष समस्य महिङ अमिरिकेन १६० क्ष माधुरी भूज्याहमसादर्भ प्राप्तिश्री			n in Caracti	יל אלי	NY i	٠
स्यामी वाक्र हात्या । अवश्य अस्य अस्य । स्यामी वाक्र हात्या । अस्य अस्य अस्य ।	47 4 1		ecall (7	# (JL	
स बाजी अधिक विशेष र्	341; A	Cal W	34.0	43. 1	28	*> ~
			G G	1	5	
ल मानी कर्जुक (बागींव क्ला वर्ग	er. Santari	s etati	refer	क्ष श	4	
ee अधिकेषि (चें निर्माण के प्राप्ता)	44 , 6		43,	*,	•	
अपूर्व श्वम ।	U 4	e Komani a	tem T	村水 竹草	際でも	
अपूर्वा गुरुवे । अपूर्वा गुरुवे वि	314	i Annoni K	1021	. «	4	
, नमस् ७ द्वीशी वर्गार्थी	Sea.	, ,,	,		-5	
« মাধুরীর বেদ: °		e in the second	· sussi	*	45	
শ মাধুৰীর বেদ। ও মাধুৰী কর্ম্ভেদ্ন লিবের স্থব	- 10 m	ean mag ean mag		5# 1	24	
A Company of the State of the S	Marie Last	دهد مخت	4.	d		
" সাধুরী কর্ত্ত বির চ টুক্তি	g (C Servente 4	referred to Strip	* 3 4	4. F	m	
" সাধুরী কর্ত্ক শ্বি চ চুক্তক " দিব ভূষ্ট হত্ত্বা লৈববংগীৰে	18.34	marine in	· 密城: 第	. 在灣	萬河 共	
" माध्री टिवरी वार्का । क	falls	Ca was	* # # # 3	· Marata i	9	
 श्री देखनी व्यक्ति विकास माध्यीत क्ष्म मर्गाम माध्यीत क्ष्म मर्गाम माध्यीत क्ष्म मर्गाम माध्या माध्य		The same	4 Men		新京文章	
भाषाकीय क्षा मणीत ने असम कामगरण जुलाई खण	\$ \$ 1 m	Annual and an an	- Amar	A 180	18 31	
THE WILL WITH	8-1-1		N (P (S N)	ek,		
হইয়া কহিতে হছৰ !	<u> </u>	. Fire	- m m -	ar i në	14.67	
हरेबा कोश्याक्षत अम्राज्य निकृष्टे स्ट्रेट्ड	ভেৰৰ	1 144	** ***		. 0	,
्रियम् स्थापनित्र निकास स्थापनित्र । विकासित्र अभूम । क	, o			etail (· d	•
					metc	a
रेज्वतीरक व्यापत्री माण् अनग निर्भन्न कतिया रेजन	বার গ	नम्म र	7 41 2		7	0
भाग निर्म काउंगा (७५ कानीत शूका करतन		, ,			• "	

ै निर्वणे ।	mes.	· 54	al a
অথ পৃস্তান্তে কানিকার স্ততি।	40 Hg	0 (8	33
" साधुती शृक्षात्स शृंदह जानिया वि		ণ কতেল।	4
" মাধুরী স্থীসহ শিবপুজাছলে			•
मिलामा ० ० ०	0 0	¢ 0	.98
" मापुतीत ध्रेष कि आता ७ (यानि		0 11	ۈك
" মাপুরী কাতরা চইমা বোলিনা		22 m	ত্ৰ
" मनन द्रमदन खेराखांती ७ मण्यकी		f- 6	35
" মদন লাগুরীব রাজিক্রীড়া।	* **	t 43	3
" यस्त करूंक मार्थातः ।	5y 117	2 0	<u>.</u>
" मन्य मापूरी उमनाटल रूपांड			
राजियोजा। • •	g) 9	, ,	. 80
			21
" समय माधुनीय किसील विश्वतात्र	海沟州 也 当前	17:44	,
ৰ্থান্ত ক্ষতিক বা ছা । ত	e s		83
· শাদুলী বিশ্বীত বিশ্বার দিবার	্য বিজ্ঞান ক্রিয়ান ক্র	enti- o	8.5
' मतन क छंक ध्येषु कित्र। •			3
	n (c	41 \$1	8,8
" जनाद कोमास महिन्द्र । उन	বাধরীর মিলন	7954.1	84
" मिन्दुराख्यत विवाह रामक समः	REN ENGIN	Plan : " a	85
" गापुती ७ डेमापुती काछ मिन	CRY BINGS	0 9	89
" মলিস্ত শ্মন্তিস্তার মিলন।	0 0	v a	86
ं े नामुद्री मिक्कियुरेक बहु भाषा प	धर्मात स विश्व	o .: 55	83
" मनत इत्त जीर्थ यहिनाँक स्था।	प्रमाभुकीय वास	tate o	a c
" मान निराद्रश्यना माधुरी द आ			65
ं गानाएउ माधुरीत शृद्ध शंवन ।			,
মৃতিকরন। । ।		a 0	4 63
" ार्जुनीहे जारमध्य सिश्चेन्द्रत :	विभव अपिर	ত থায় : ০	4.
" रसन बाधूबीब मिनटम निसन ट	नाकारकोणन	0 0	4.
" াধুরীর নিশিতে ভীমা ভৈরু	ীর বাবে গ্রামন	ভ নগ্য-	. :
तकक कर्जुक जेजा पता श्रु	5	0 10	Ø,
ाष्ट्रीतकर्कुक ममनदक वृद्ध	गांधरीत कार	6 1 193	4!
	and the second of	, , ,	1.2%

The state of the s		পত্ৰাক
ক্ষাথ সদন বোলিংক উত্তরবিস্থার রাজ্যভার লাইকা বার	18	
ं उन्तर्भाष मनदाणनात (सम्। ० ० •	ø	ù
" যোগিকে নইয়া রাজ্যভায় উপনীত ও রাজ্যভা বর্ণ	A {	ŧ,
্রণ সভাপত্তিত কর্ত্তক চোরের পরিচয় । 🕠 🧸	à	4
াঁ তন্ত্র ভূতমাধস। চতুর্বে দুল বিচার। । । । ।	.0	5
" राती छे कि साम। १ । । ।	Ċ.	, 0
" वमरखानरम बांधुतीद शितः यक्ष्वान आरक्ष्यः। o	9	1
· मापुरो कर्डन साजी प्रांता । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	۵	20
ार्ट माधुरीह टाहि राजी भवश हरेखा कारण कर ।	*	ð,
ि अक्रम कर्मक सिरावत परित्र के के व	<i>*</i>	*
Maria de la compania del la compania de la compania del la compania de la compania del la compania de la compania de la compania del la c	4	i
के बोक्स कार्याश्वर दशकीय निकटी विकय ! *	0	8
" मनमभाभूती : दिवाशात o o o	•	•
 अमस्य प्रश्नीत वामरत मधन। ० ० ० 	2	
" मननभाषुतीत भूनर्खात्र अर्था । • '• "	43	43
 सम्मन्द्रिश तोकश्रम तिक्कीकृ। 	2	44
" त्राकाद निकाम अम्हण्यह परिवर्ग । o • e	2	Q
श्रमणावत प्रत्मण धमनार्थ भूगितित अपूर्वित आर्थनाः	8	
- १ लाषुरान कुला डित खारक्याः ० ० ० ०	*	u
 मांधूबीत विरुद्धे मनदबन निनाम आर्थनाः 	łī	4.3
🥞 धीमनर स बेस्पाप्रीय धारामात्राल विकास के असर बार्	% -	
🤫 वीह महिन्द्र चरवटन श्रमचन 🔹 🤏 💌	No.	41
्र ध्येममम क्ष्मिमापूरी नेसेविटेक्टम सक्कम । »	P	4.
मः ध्येमणरमत् इजिल्लीक्। ७ वरवटम याहेनांद्र शुनकः।	16	· Ira
" महत्रमाधुत्रीत काम्म्यक्रमगढत नमन ७ पुत्रशिक्षीत त्यव	*	-
 अवसमाप्तीत छद्दन अभन। • • • • 	Þ	\$>
^{ब्रा} बेमममाधूरी कुर्जूक लिएनद खर। 🌞 👂 👵 👵	4	· br -
🐔 रंगररकत्र खरंत निव शुमक्ष ब्ह्यम । 🧸 💌 🧸 🧸 🧸	R ''	હે
्री महान माधुरी व्यवसात सद सरके। • • १८०० मिल	*	· b .i
क्रमनमाधुरीय वर्गादास्यः • • ० वर्ग	• '	1.4

मनगाध्ती।

--

नोवांत्रनांत्र्य स्नेत्रण ह्या अर स्वायर १८६० । नलंकाम खदनर जिन्हर खटम द्वयानाहरूकार ३

प्रदेशम दक्षिम्।

ग्रामिनो लोडका जीन दोराः

নবাৰ্য্ধণেশ জীগনেশ। বিশ্ববিদাশক চিত্ৰ ল এই নামণ্য

क्षप्रदेश केर्य क्षेत्र केर्य हार मगुन्छ, क्षेत्राप्रदेश विक क्षम, क्षम पूर्व क्ष्रियाल

जिल्मी छाड अन् पर्यामक, मर्थ छाए नक्ष (मह तमह नृष्टि महिएय अनिहा मिक्द प्रवन तकारित, हेक्ट्र नावार निह तमारित कार्ति प्रवन, कार्ति कार्ति प्रविच्या कार्ति, कार्ति कार्ति प्रवन्ति कार्ति । कार्ति कार्ति कार्ति । कार्ति कार्ति कार्ति । कार्ति कार्ति कार्ति । कार्ति कार्ति । कार्ति कार्ति कार्ति ।

कुलनापुतापः

সর্বস্থতী বন্দনা। রাগিণী বাহার। তাল রূপক।

কি বিরাজে সরজবাদিনী। ভানাঞ্জনদাত্রী অজ্ঞান তথ্যে নাশিনী। •>

্ওলো মান্দ্রেষ্ট, ভূমি গোরুরগা, জয়দা জ্ঞানদা রুলিবি। ক্লদাক্সারভিত্র,কুমতি দ্বন্দ,উম্ভেত্ন,দয়ণ গ্রেকালিনী।

शक्षात । न्य विश्व विश्व शिक्षण । विश्व विश्व विश्व । विश्व विश्व विश्व विश्व । विश्व विष

टनिद्धा तमानः।

हाजिनी वासिया। कार वाद्धा।

করি হে হর "এল এক এক,র । ভক্তম পুজন হীন জানি অভি চলালার ন

ে, প্রাই হর লাকে ক্রি, মান ক্ষেত্র পারিছ্যি, ভবভরুক্ষ লাচরিত্র 🕁 **উ**মাচরণ পায় পার ৪

बर्जिए क्ष्मिं। महम है है इ.स. स्ट्रिंस काश इरत. कार्यक्र बिरंग व्यर्त। किस बर्ज कर्क, रणूरव्यकी रक्क, बार्ड व्यनिक, बर्ग।। व्यक्त छोलाहाज, मीन व्यक्त श्राह्म, देश कर्क स्थित के बीनशंग, य निन नव्यक, करतरह रिशंव रम ममन।। कि व्यक्त व्यक्ति राखद्खि, र्थमृद्धि, श्राह्म स्तिक्ष कर्द्धा व्यक्ति। भारत, निरम रवात केंचूत विकटत । निरंत निरंत हिला छ हैं। कि अब्रिक्ट केंद्र केंद्र किया क्रिक्ट केंद्र किया क्रिक्ट केंद्र किया क्रिक्ट केंद्र केंद्र

विश्वासी । मन्द्र ६१भ माशा **व्या**र्गना क्षयाहे था। उत्यासमाउ (अ **बाखा ५७ मरहील** । उना अस्मिन्हि बार्या २००५ । हास । ৰ্বাহি দ্বা বিখ্যাত ধরায় । তথাকক নিন্দপ্ত । । । । । ভদ। আৰু कीकि किस्तात्य शुरान ५३ (तस्। उमाइक्षेत्र 🚉 भाषार देशकी भीता कर खरन एएम २८५८ हम अडल १.३ भू ७ विही नहस्त निर्देश किकी में र पुरा पर्या अन संकल्पनाय है। विषय है की स्मानाय है श्रिश्चिम् । क्राओं का पे एउटक इसर हे हा निश्च मात्र । अधार्या मात्र पुत्र मामृत्या । व अलि । । का १४,८खप्रहा । ५५१ । कि हैन ए की साह भुवस तर्भताम स्मापाद । कड समहावाक भ प्राच ना क डामाना । শ্রালগাড়িমা **র্যামে** ক্রিজ ভবন। ত'গ্রানের প্রত পা**ধ্যা কর** . অবশ্র কুলুমুকুক্তভোগী বিজকুলেতে উত্তব : িরি ক্ষাক পরিষ मणा मृत्यां व । भवादा के सिंदर्गाता नुव्यक्ति हाला 💎 🗸 🔻 मुन्तिव उटल दिन प्रमा जमा मुँड देशा केना र मुल्मित व नार् भवनाम नि व्यवदर्ग मार्क्क मुकाब । अवाक्ष्य १४ विक खीका नवर्ग गठक वार भागक कियाद bart i िदूर्वाक अर्थात कास्त्रांक राज । यत्रमामा**पृती श** ক্রি সুক্তির II •

有人有名。

事情時にないないでは から

रहेश मन विन शक, वित्मभगुक काशक नाइक ाक अनुनाम दिन हा को मोमनोथ। हान्द्र रोजना किन, भागा कि कठिन विन, हत्रम घटने प्रस्ति, केनोहद्रण निनेक्ष्राक।। कुछ किनमी। सक्नों किन्द्रिय, को किन्न किन्द्रिय, कमा कर्

नवा (सरह्याह केश्मांड, किर्य मना मन्यांड, खिल्म हम्बन मार्ग पानी गान्नाह, खास मनः द्वाकार, तनव देशस्वत नियम। स न उत्तरिन, केनिनीक रेक्नारिन, स्ट्रेंट्रवन करने । किकारिनन नमीहत्र । नारहन कि मिलाइ, कोन्ड्र कानानाथ। स्टड्ड कीन्ड्रन, कानारका सम्मन, किन किनिहर कानानाथ। स्टड्ड कीन्ड्रन, कानारका सम्मन, किन किनिहर हास कीड (अवक, क्षांत कुना मानक, दकम-इंट्रके बार्न दिन। दान दारन केन्ना, मान्ड्रेन निजुन, क्षांत्र्य क्षण किन्ना का सिर्म का सिरम का काला मिनाना क्षांत्र किन्ना का सिरम का किन्ना का सिरम का किन्ना का सिरम का किन्ना का सिरम का सिरम का किन्ना का सिरम का सिरम

अविभित्त कर्तुता सामात अभिन्ना । अविभागा । ११

निकारण । व्हर्स खां कार्याला कुट्ड्र खांक्य, खाळ । जो वर्षालाक रक्ष्मीय पूरा, निक्रीय कर्नु, क इंड्रांश इति प्राचारखा । विरुष्ण पानिक, स्थिति किम्निक, स्मिनिक स्वतन् रखा कि खानुबन इस, निक्षी इस, कार्या स्मार्ट्स स्टब्स्ट खांक्र, क्षा सम्हार, संस्मार कर निरुष्ण कृति खारेग्य, केळ इंड्रेड्ड खांक्र, कार्याक्र

क्या। ७४ : १ छ। अठातृत्र कुर्वाई कार्या निवृत्त नाम जानानी देश जान के के महि. १० १४ : किन १ वरण जान उन्हेश पृष्टिनांट करि-कुळा १४ वर्षा था थ १२ अव्हाइत महत्या निकांत के के रव। जे नाह्य व किन ये यरकान । इत्र कि व्हांता। जाना क्टेर्स खाई के विवास सहस्

राशियो निष्

मरक्षानुस

वक कड़ने निध्न ! इति।

মধন কলিতক্ষা। নমধ্যে গতিন্ত্ ব্যাহকণেথর। জনন ক্ষাক কুমাক কিজর। প্রান্ত নজে বে ভ্রার নিবার। হও ন অন্তর কান্তর প্রজন । এ নোধে ব্যাহপ সাক্ষর বহুত্র। ভল্লন পূজন যাজন নহর।। প্রভোত্তাস্ক সাবিচ হক্ষা নত প্রত্যাস্থাতি সংগ্রেছিন সম্রতি হং ক্টীবর্ষ বিরীশ গোরীশ শবিহ আগ্রব। উন্সাহরত।

भित ठाईक मासार मालागु सामागान सामागान ।

किल किलां। सम्मान कर नाता, जारिक सामागान समा,
भारासानिएक बाना समा निएक। संभान कर महें जान का निराण समा
विकार, निक् मिने वाना का निएक। कि जा कि जा क्षि ना कर्या क्षित्र, निर्मेश का मा क्षित्र । कि जा क्षि ना कर्या क्षित्र हिएस। किरा कर्या क्षित्र हिएस। किरा कर्या क्षित्र । करिता कर्या कर्या कर्या करिएस।

क्षित्र क्षित्र मुक्त, क्ष्माणिमा क्या मा द्वा करिएस।

क्षित्र क्ष्माणिमा क्ष्माणिमा मान प्राप्त कर्या क्ष्माणिक क्षमाणिक क्षम

मालद मुम्छीत ने। के समा च म के सर्वस

करन श्राप्त करना प्रति का नाम करना करा किटन विद्रम करन श्राप्त इसाउ। मिकुछ॥ कि आनि कश्रारत आश्र कि करज़न करन श्राप्त इसाउ। मिकुछ॥ कि आनि कश्रारत आश्र कि करज़न कानी। कृता श्र इस्तारता रक्त नेदण कानि॥ अल्ड इंटला बार्शा रूप किटिएल श्राप्त प्रदेश कि रूप कुट्ड क्लाहित रूप ग्रम उपारत नाम किटिएल की विकास कि क्लिक कारिग्र मिक्स सिंह हरना जानीत ॥ मिन्न जिल्ल क्लिक नहीं कार्ड किट्न क्लिक क्रिया स्टूर हरना जान हरनात कार्य । इनिरंख निर्देश धार नाहि श्रेष घन। त्यास कि हि तो तो कि वर्ग अवल ।। यह गर्थ कर्म कानी मध्य पृक्ति एउ विभाग सम के बाबिएक पानरण । सगरम मध्य अब करत माहिर कि ल्याका माहिएक करका पृक्षि गाहि ।। केवारम क्ष कम कुणाँव कि लाका माहित जमन बाहे हहेटम श्रीकरी ।।

मानी अभीत गर्डकथा ताबाद विकास कावाम

8 THE BASES !!

मृति कार्या कार्य वृत्ति, कार वार्या, कार गार्थि, करत विधि, युव वित स्वव तर्या तथकाल, जाणि हरण कार गार्थि, करत विधि, युव वित स्वव तर्या तथकाल, जाणि हरण कार्याक्षण कार्याक्षण कार्यका कार्याक्षण के तथ्य कर कार्याक्षण कार्याक्षण कार्यका कार्यका कार्याक्षण कार्याक्षण कार्यका कार्यका कार्याक्षण कार्याक्षण कार्याक्षण कार्यका कार्

स्थानड साहकर्य । जीवनी विश्वित । जान साम्।।

कि बानन होता का क नमन दर्शि सकत्त्व। अने नित्र कि इर्ड क्षाना क्षित्र किन्ना बर्ड के कि इर्ड क्षाना क्षित्र बर्ड के

MEAN CHIE

नवारी बाकुक्त बंदरत करिन मनानवी अपन्यास सके बुद करत खुबानन । इस्किन्छ बरेट क्रश किनिया भेषेन । ब्रांकन शिक्षत बाम ब्राचित अनुमार्शकीय पूरशी पित्रम् मान पिता उछ धन । उत्तरम् उटर वृक्ति क्य द्राव्यांक रूक्ते ।। भाग्न व्यक्ति वक्तुविषा रेहल देनभूग । कुछ हिएक शास्त्र सवा करत तक भूगा। महिल्ला मुद्रा एक मन धार्माविक दकरक अमन नमी धानम कारिक ।। नश्लीरक मिलिटिटिश नार न मार्गा भारत देशकार भाग कालांक दरमन ।। जनत करण १० क्षत्र वर्ग र व्हास ৰাফা ধন পৰিবাৰ এতি অংশ এন্। পাৰে ব্লজারা জন্ম করি ग्रहण मुद्रापन नेब्ह्निया भः राज्य वाक्षन । जाहाद व्यक्ति नाम मुती मुब्दी। रेमरवञ्च घंग्रेरम रमच प्रस्ता गंखरदी । प्रणाता निष्करमर কট্ণা অস্ববিভা। জড়িং স্কড়িত রূপা ভ[া]নে প্রতিনা । কালক मारि मर इंदेश क्ष्मण्या रसम् १६% क्षेत्र जण्यासम् ४व । पूर्णिया करत्रम् अल अवाध्या । एक का करन नाव भाष होतिन माधुती ॥ जुक लेशिक :नर्भ एवं क्षेत्र रिहार्य ।, मन्स्कामी शहन (का िः केतिडाः श्रृतिर अभेदें इंदेर कामी करें निकलन। भानिश्रक उन्हें नंकांत्र स्र किक्सन । जिल्हा क्या विदिक्त जैमां क्या वर्ष । सारत करन असम् की क्षा का वार्म में

यसंदम् व जीवंश्राद्धाः।

मसमयाधुती।

্ৰজনিমূপে দদনবোগির ব্ৰহ্মনীলা প্ৰধণ ও এতাগধ-তোক্ত দশমস্বদ্ধান্তৰ্গত প্ৰিকৃষ্ণনীলা

अवस्थित है

शांतिकी शिक्षिण जान क्षेत्रीं।

ত ভিতৰোগ হয়ি কলে দিনে হৈ জন্মন। দেশে বোগা-বোগাৰ্মক এ প্ৰাণ্য মন্ত্ৰ কলে জনে ।

ख्कि मारे कर कथा, के बालमा श्रांखितिका, ख्रुक्त हरव मुख्या, खेल ताथ ध्रदम ॥

हारिया बन्दा । बान्द्र बन्दिने कार्यन कार्यक पटन ॥ किरकीई हिन मुठा छनि आर्कि करेंगे आका प्रत कर नीक नीरबाली १९म ॥ मर हातिनीय कुर हात अक लांग वृक्ति । कि नविवि स्वात यक्त क दीले हु । अ दुन्ति में दिनेशीय एरेंबर है नरहे अहच काममा ने मन करेंन क्षात्र महाकटब्र वन्त्र ॥ वहाँ। शास्त्रवयामी कवित्रा टाटन । खड़ा दुरा দানক সার নক্তবর্গা। ক্রনীয়া, প্রতিকার্যাক্তেতে ভালিই । বর্জ to the converge that a cast of the property of the cast of अपन्यात । चित्रचि नी<mark>तमकाप्र नीदस्यवद्वर</mark>व । कारका ए स्थानन कांन arm' an--दार्थना । कांट्रलाटक तम क्याद अविश्वाद के का का निवासी ভ ৰংশাস্ত্ৰিক্তমূল্যমূলি কে জন কাৰ্যমূল শুধালি ভূনান ট্ৰেন খোল ले नक्टन , क्यांन्य भवानरकार वराह स्तान सर के कियांनक विक्रिक करका केरमवृत् मनिकांड शामि मद्द काएत लक्षान । 'उन गोहाः क्षिक Com अन्तर्भवासाम् । बानम् देशहर् कुन्नानि केनात निर्दे कारक सरम स्रोति मुख इंटर्स त्यर । दितिकि रामत नित समन थाम । जाति कुछ मरह जीरह बर्रिक्ट अरहेन क्रिनेन्द्र कोनेन्द्र केरिक क्रिनेन्द्र क्षा करन । क्षेत्रा क्ष भागमा दारत केन्द्र देव अदेते ।।

> अक्रम काउन्हें इ राजीमीता। सामग्री स्वीदा की कम्मा

स्मित्र अन्य क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट स्था है। सन्त । अड वध गरेवाच्ये सन्दर्भ गर्मा गाट्य क्रिक्ट क्रिक्ट में

THE THE STREET OF THE STREET

Control for colors of the first part of the firs

कृष्टिकात सम्बद्धानिक के किया क

रम। निकास पुकी तांधात विश्वमातियाम। (कन अन्डनंकि शिंड । निवास नीत। परेक्षां पाता किया बाका ननमीत। तारे वस्त पूकी । । । वस्ति विश्वमाति। अन्य गंगा मा कियम विवास कियमाती। वस्क एक कोळता स्विधा वश्योधिन। आका स्वास्ति क्षा स्वरंगिति। अस्ति। अस्ति। स्वरंगिति। अस्ति। स्वरंगिति। अस्ति। स्वरंगिति। अस्ति। स्वरंगिति। अस्ति। स्वरंगिति। अस्ति। स्वरंगिति। स्वर

> ্রিন্তীর প্রতি সূতীর বাকা দ রাগারক নিশন। রাধিনী বেহান। তাল আড়া।

আন্তোকেন গোরাখে। অসংর বাদেরী ভোষায় আসংখ্যা

কৰিওছো বেটচকাক্ষন, যোৱণদে বায় কৰে সংখন, সে ধন বেগ্ৰন চৰম্ম-মালাবোদি ছালবাৰে ৪

पार्क के सहस्र वृत्ति, के अन्तरका घरतव पति, के अस्कतर कार्य कृति, तुराम कहन व्यागारमध

> हातिने एक्ट्रवी। ख्ला देखा। भगरमञ्जूष किरणादी कि ल्याका लाव। खनार प्रक्रमा एक प्रक्रमा एकमा नयना भगर जरकरक स्थाकिनी, क्रांके क्रम खन्निकी जुनेन लेग इंटरिन, क्रेमांक्स खरूब लाजुना

> > उद्यानी ममास्त्री

महरवत कांचीएवं संयम ह

नवाव । वक्रवाविष्टा क्ष्मकोत्तात करहे। क्ष्मक वामान वाम क । मकावव । मिनिक विकास काम किता उर्जा । विज्ञान करिने विवास कर्मा क्षा किता । विज्ञान करिने विवास कर्मा क्षा क्षा कर्मा । विज्ञान क्षा क्षा कर्मा । कर्मी एउट को प्रकृत कर्मा मिनिक क्षा कर्मा एउट को प्रकृत कर्मा । कर्मी एउट को प्रकृत कर्मा कर्मा । कर्मी एउट को प्रकृत कर्मा कर्मा । कर्मी एउट को प्रकृत कर्मा । कर्मा । क्षा कर्मा । क्षा कर्मा । क्षा कर्मा क्षा कर्मा करिया कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा करिया कर्मा करिया कर्मा करिया कर्मा कर्मा कर्मा करिया कर्मा करिया कर्मा करिया करि

T 44 4 7 5 1 5 4

মাৰ্কী এক বৃদ্ধ বিহাকে জানিয়া ভীৰ্ণ চাত্ৰীয়া। ধ্যেৰণ কাৰম।

রাণিনী হৈ: বীন তাল টেকা .

ৰিজ করি নিবেশন তথ ধরি পাম । নিলপায় নীত্র ভ্রি কর মদ সম্ভূপায়।

- रत्त विश्व डेमाइनेन, एरशक्ति एक लेक, इस ए। व्यक्ति । के अलाब, लिकि कुमान कुनास गा

क्रिवीमक्का मुद्रानेन পৃতি, मान्छ पूर्वित उपाध्या माधुकार ति वृक्षित्क, रेंद्र करेंद्र नृरंख, करके नेव गाँउ । एन छा दाचन, त्रशासना, क्रम शर्मामात्र। पूठां विकाद: एक पेशकात, शर अस रशाबात म दक्कार शाख, कि मुनातित, व्यक्तित दर्भ अदस्त म विश्वतम, अभिन्ता भूतम, वीहरतम निकास में एकि देख्न गारक, वित्र जारोहा, आयोक मेरिकेट किटरमर करि. याच दर्शकित, हा के अ करते । अवादा जाया, व्याप उद्देश, हुने ८५५ बाकर्षित थ शास्त्र वर्ष, इरेन कुछाब, कार्यक प्रस्ता दिन राजारक क करानद, क्राव्याचे कानाएउ। मनिकनिकाय, प्राहेशी कार्य, र्मन क्लक्टिया अर्थादेव करेंक, क्लिक्टिन करेंके, बरन महम ब्लाबी Colors come come gala, also sealed a structure मानः विकास नीके व्यक्तिप्रका शिक्षा अस्तिनग क्लीहि. रेप् नुरक्तानि, त्मचि नुक्क नाक विशेष विशेष, त्मचित विकास मध्यारम् , यत्रम् १८ काराक मिन्नम्, स्टा कामीनान, जानिएत स्ट न्त । वाकामकावन्त्रमञ्जूषा पुरस्का प्रकार विकास सम्बद्धाः स्टाइक पूर्णा हार मर्का कुलावनी कार स्थापित अधिकाराक का जीवार गरा, की THE REPORT OF A PROPERTY OF THE PARTY OF THE

विकारक्ष विकार विकार के विकार

विनक्ष । राष्ट्रीत नगन त्य करत गतनम । क्ष्मणाठा घटि वरः व्यादर्ग । तम द्वा कि विश्व गनि गहिन्छ । उत्य कांक शाः नग्द नजिल्ह । उक्ष द्वाप्त वर्ष्णाक व्याद्यास इस केंद्र । मन उन्ति कि साम करन क्रिके । जाकावाबाद मुक्तिक रह निव्या कि विन गतात्र धार्गम कि दक्षणि । जाकी कर्षक रह निव्या भूगा । वाश्म हरेस माने गायक स्मित्रे क्षेत्र माहित नेहीत ।

स्मान क्षेत्र के कही तक। प्राप्त क्षूक लंदम लहिन नृथक। उनाः वरम कहन कहे मुदर्ग। बक्क्यक्षका क्ष्म नमारे कुदर्ग।।

उरेकाश्यम, कार्य जारे घटम। जर्ग किंग कर्गाइक करें चन कि कारदत मनग, त्जानाम्ब ब्रद्धद क्षण कर्म मन्नादम ॥

विश्वी। अर्थिन अर्थ घरक राष्ट्र, व्यक्षांत्र करते खरावर, मरमह स्नीतन भातरन। विश्व कवि किरा साम, यहाईन क हरवान, उन रहान जै जनवित्व ॥ मद्रा द्वरंग केलांत्र, किटल काल दक्का शास, जाद्रा बाग्न नाडीमृश्न । रसमन खनात्म कांध्र, ७:साचा करित कांत्र, ताह नृतांत्र कामबन । जना जारम् भाजनकः चिरवत नक ४००० कि ।त तनाकः দে আনীতে। বিব্লক্ষিক কাশীখর, কি সাহমে পঞ্চনর, লয়ে শর आहेग अबिरकत दरना गरा दिक नक्, बारामनीत झाए। पू, जदर व्यक्तिक व्यक्ति। अ दि युक्त मन्दान, निरानत अपि अंडानाः কি তাপ তপ কথা লাইল ৷৷ কামারি ছে.স্তাঞ্জা, এটার কলে কাস जम, এकि दुर्श्वव क्या श्रमि। मीनकरनेत कीनजा, कारनेत कारह श्वानका, विनका मूक चिरद्र कवि।। .ककित धूर्क के, दून्रवस् धास करते, इव रहेटक स्व कि उदार्थ । यद अति अवा अति, महावाद निर्ता-वनि, इमगोदन्न नाव किरम पूर्व ॥ कहिल्ह् बर्कि अन्न, कृति व्यक्ति मनि-मझ, खान बसू अक दर जरेश्या । यनि महत्व माही उटह, टक्ट्न! माहन राज, शूल बाद्र तार कान शृक्षा।। वसु विनिष्ट कान भी, इस कार ह त्यांन नर्ल, वर्शरीकी जिमि वाध्यतः। भूक ७८२ छकि नर, बाद्य जनसन् नक, किश्विद यह मृत्यक्रवय ।। क्रान्त इत्य जिल्लाम्न, त्वन त्वद्धांत त्वन धारवन हटक हडानक। (इक्ना नखू नदन, कडना श्रंक महन, छेना-534 FEW WE IL

मनम कर्ड्स निराध दर्ग वालिने केवरका प्रान्त कीका रहत रह रहा अब किरम्बाद कहि तरहा मरनद रागमा नुद्राक मधार्थ कर्मा क्लान्यका काम नारका मुनामार्ग क्रांत क्लावादि अपि, केमाहद-तरह रहति, का वालियायाहरू हो शिहीण सूरवर्गर । अध्यक्षांत्र प्रताम स्वाम स्वामर । स् व्याख्य स्वाहीण सूरवर्गर । अध्यक्षांत्र प्रताम स्वाम स्वाहित । जुक्करण विज्ञान विविध्य । जुक्करण विज्ञान स्वाहित । अध्यापित विवृद्धि मृत्यर । विविध्य विविध्य विविध्य । ज्ञाहित व्याहित विविध्य । विविध्य विविध्य । ज्ञाहित । ज्ञाहित विविध्य । विष्य । विविध्य । विविध्य । विविध्य । विविध्य । विषय । विविध्य । विषय । विष

মধ্যেত্ব আছি শিবেছ দৈবলগাঁট ও অভ্যান সুস্কামেন নগাংগ প্ৰতিট্য

कार्निक करत रिव एरपक श्याल । अध्याल बा अधाना करके विक-देव। पूर्व निर्धारकाम करण फोन (शनिवरत ॥ ब्राक्तन असम कर-स्वाभि फरश्यरन। कारोधार माधुरी द्वित स्वानामसम्॥ स्वेमाठतः इस कुन मुण्डियान्टिक। क्रांड एकामात्र विस्त्रम कविश्वकानिरक।

भमनय पुरा

নাধুরী কর্তুক কাদীপুল' ও ব্যক্তির 🐪 🦠

क्षांत्री मुखाय तक क्षांतितक। वार्षिकाटत परिश्रांती विदिशासितक ॥ कत्कड कृषाः स्रोधः, इमि हासः कृषाः छोत्र, क्षेत्राहदः (प्रकृष्णः, विद्यम्) । १४ ।

कृषि संस्थापि वृष्ट्यास्य विशिष्ट्रं, यो स्ट्रीत विश्व विश्व कर्णात्रं कर्णात्रं विश्व विश्व कर्णात्रं कर

भावतीय धानि व तीकारतः भीत

भवमा काईक मुद्रासम् मश्रत स्वीताः

नमवर्शक्षा । ठातिमिटक केळ बेड्-एरविट्ड ध्येराश । विसंत धासर पीन मिनिट्ड कि कोश ॥ पेखूत स्तर्ग कहि सेव्यरण उन्नश्च । रेगांव पान किल्कान प्राचिक्त ॥ किल्हाक क्यांत्रित प्रकृतिक उन

त्वाटल क्वांक स्वयाहेबा नर देवन कला माहरम कवित्रा हम ला रर्नमा कृतिहरू मनारक्षत्र वाना सर्व ।। असानुत्य काण द्राक्षा मुध्यनसः। भवाद्य परक्रतक त्यरम शिवकांकि एर्न्। जार स ব্যক্তি করে জনা লালে দুর্নী প্রকাশ বাহিম্ম গোল্ড সঞ্জালির বর্ন 💛 म्मारम् अद्वीमिका गर्व अनं तस्त्र । श्रीमपु करणामस् म्यूटनक नि दमरबाह स्मास्टेब स्मार्थ साहित्या काला । सक्ता पालिया मा १५० ऋ। 🕟 भक्त रहे लाकिशर्मा कर्ले निका छ। हो भी भारत वारत अगर क्यारत रार्क्तिक जोहानिक पाक्षिक एवं दिसांखा अनाम विषयानस व्याक् पा देश एक छाल - महलाबि भारक गांग दुक्त नाहिएक पक द नक नका। जाराइड कराइ वर माना साचि नक। न्या , ना गण्यानु मतरभारक क्षेत्र) । कि की गतनाम मान मनाम मनाम स्था क्षांच भा शक्ति एक काक्ष्य शिल्लक । महाकान नमा काहिएक ना रक्षात्र । एकिया प्रशाद किंद्रा शास्त्र अन्तर के मा विश्व कि भावता । पर इ.इ. गहिल्ला । करिकृती रीवक प्यापि धारिका छेरकुके । कहा 🗇 किसे लोको पार्टि नेकुर ाध्ये क्या ताल ने किस किरा विक्रा থানা লোখা বিভাগ দেখিতে আশ্বরণ। চক্ষিল্যন সিংগ চক ক ्योजनः वन्द्रशक्त क्षा मुन्डित रेप्टा । निक्यां क्या कार ्त वीर्धाः। शकातम्यात्रम् प्राप्त्र स्वाप्त्र त्य वासीर्थः। मध्करम् हेरू अजन्दकर्य अका ५ मानम करहा हू कून गोनताल साका 🗁 [मारिन क्रोरन छान गर्य **च**न नेकान मन मन १४ विकास करा कान्तिहरू (भवि मदम इप्र १४ काउम ।। क्रिके कापि बादन उक्त ? कुतक (पूजुन श्रमें) नरम नारम बळ. कुतक ।। विकिश्वाचाना कि व बाना क्वित्रकः। डेमूरु छाल्क वास्त्र विसन्न विस्का । भर्देश ४. ६ ं भुद्र देखाभूत्र जूना । उन्नाता हर उन्न क्षत्र मक्ष्मि कक्ष्मा । स्मर्दे बद्ध : ूर्मत अखन्न अङ्ग्ला। उनाहत्व यदम नेवरमन वास्कृता ॥ नगत्र ७ जेगान दर्गम ।

ो । রাগিণী বসপ্তবাহার। ভাল জ্বা

क्षाक नार्मक करत लाख अधिकाद । कि कर अधिकात ।

के विश्वविध्वा

रेमना शिक करव तथ, मलग तांबु श्रीवत, कड़तांकात किया तथ, बढांब भगम विकास । वित्रविभीत कुल्लीस अकरोरत प्रक्रित भिल्लाचेशांका १८०० होगिस श्रक्ति क्रियांत अकरोगांब ।

本相於「補付的」、更明 中国公司公司等。 人名西西西班牙德, 大學問題一年 四十二十二 一一一一一一一 इसकाराष्ट्र, सिलमें के अंबर रहण, बिरावर १००५ रूप, १००, ४००३ सेश्र अभिकृष सम्भूष, यस र्षुन पन्। और शहस कहा एए, जेलेल जरान्तु। भागिक । भाग्यास्य । जिल्ला प्राप्तेरक जानी जान लागा । । १० भा महित्र समित्र राम केल्. मधु हे अधि महिला, १४, १९ । १० । १५ । १० । १० । १० । कुल मध्या ज वालिएक, विशव बिला एकार्रिक है, प्रसुर्व के कार्रिक । १९७७ केलहरू ४, प्रकृषेत्रक महिल्ला, कडिल्क्य १५८७ । ४६७० सं रफ़रांख, गच त्यांच्या विद्वाच्य, कर का प्राप्त । १० १० १० १० १० १० १० १० अविधिक केंग्र ब्याह्म एक प्रवास का के कि है। के कि है के कि कि है कि ब्काम क्षामानम्, जरमार्देत् क रहेर्रदम् । वृद्धिम् 👉 🔻 होता, नाहा भारत क्लीब्रक, भूमि मण्ड होटल ॥ क्लीब क्लीब गटल क्लानिक, हाउवाय स्मर मां कांकि, अन्दर्भा व होला। क्रम हार त्यव श्राम, क्यां असि क् कुरत, श्रांक, होला। हाला। असा अला जाना जाराज्य, र ५ मेर १ विष क्षाचित्रांत्रस्य चार्यमः स्वास्टिष्ट क्ष्माः सन् , १५० 💎 🔑 १०० लाः ५०० लाहि भारक ।। भूरक्यांबारटनराख निखन, अभरभा करें १५७ 🕟 वर्षा निर्दे ष्याना प्रति कि केव्हित, करण रहींबरम् खनः स्टार 🖰 🕫 र १ न १ प्रस् नरि दिलन, १५७१ क नीत्मादलन, कूटके माहि गाहि। हार ना वर्षे स्टालाम, त्यांच्य समग्र मृरकामान्यसम्ब्रह्णमाहित। तम. त्यांचा वी र्य कि, वेस्तराज 'क्ष्म्बाजी, रक्ष्म् कर्त्व श्रुरंब : अन्तर रहार मधी माकर्षन (व महरामें, माकियः मानुसान ।ियानारानीत (वह बान, तर-राव निर्माण, जारणिक साह । क्रेमांब्रस प्वति, या वानित व

अपन स्थान साहित महत्राबद्द सात्रशिक सके कृतासन। ने क्य निर्माक्त यहि खेडि बारक्ष उ ज्ञान जाना विमा व विशेषादक

类点,有限11

প্রসূত্র প্রতি । আন্ত করেছ সাম সংযোগর কীরে। কীন্ত প্রতিবর্গী अ स्मार्थ वक न्यानीएन १ व्यवस्थ व्यक्ति स्मान यक न्यामा। कि व्यक्ति कि हत्या कि जाना त्य मी। उन्ने इंदिल्य विकेश हरे जा कुरण क्रम ५ १ का १५ में १ से १ देश के क्रम मार्की करने विर्ध मणी माला महात्राम काक्षा कृति को स्पन्न केंद्रया। त्याच कर वाल पति क्षा बन्दा । जा दिः क्षा १९०१ सार्व तल्युनं स्था । कि वर्षा । क हाल (स.स. अवस्था अवस्था । त्यार मृति मारा द्याला जटमत व्यार्थित । बिर स व्यक्ति १०० । व तक अर्ज । स्विक्तिक व स्टेन्टी से क्रेप क्षण है । हार्तिकृषी कृष्टि कृष्टि कृष्टि कृष्टि कृष्टि क्षिती। क्षेत्रपुर्धि कृष्टि क्षेत्र हिंदाहिक । हो दक्का करण कंग्न, वृद्धि हिंदाहरू । आधिक বিভৃতি দ্বান্ত বিশ্বোত ছোল। কামিনদাকে দৰে কৰি ক্তি কুলভাগ। क्षा अभिनेत्रे अन्यकर्र विसी एक ए किशीत त्रवती बृहता जन असारण-্তি বিষয়ে সাহাজ কৰিছে এই মহান্ত্ৰামান । আমিত জন্মী,মন প্ৰি कि कुछ । ज रे । एक रे छो । सूर्य आ । इरमा क्रिक हुई किन्तर वित्र केश्कानी । वर्रिकी काली क्षीक, अधिक शामक वर्षे । एकोप की नेरल सब रक्तकृत। अविद्यात सर्वे प्राप्त साथित आहे वृत्र ।। को बहेक कावस पन गरेकालि। निरस किस बरेकाली काँव फिट गान ॥ उन्हों अन्तो भारत अनुकू जान विधि । छ विधि त्रमति त्नारः हर्मा विविध अध्यक्षण होता आविष किरवादिनी। स्थोबक कैर क्षा कर्णाप्य करोत्र अक्षयो हरूरी कहा जब क्या वृद्धि। यूथा विकास मह राम दम्मकी ॥ जन्मकारम जन्महि इरवरहर्म अवि। क्षी वक्षा विक शहर देश्यकि॥ बाटम की बहामकी अंत केंग-कर्पत्र भरण धर्मा । । राज्यान ॥ यहां बनी बटन त्यां व दर्जे नार कार्यात सामाई ॥ बारक नार मांटना त्म जामान कर्यटमीटिंग यानी आहे निजापता संदेश निज-मारम । अञ्चल हष्ट्रिक सिंही प्याप्तिक भविता भारति करा मक दि-किरमां जानुरी। कान भट्ट प्रक्रिका श्रेप होते सह । व्यक्ति सम्बद्धारिक प्रकारकार, वर्षात्र १ ते । १००० वर्षात्र १ ते १ ते । 事情的情報 的原则有用毒事人的或者完 一口。 कामाद्रिकामम श्रामकारित भाउत्साम १ छ। १ १०० । १ १८ १५ 湖南南广西河南南:西西山省南西南山河河 1 4577至15 人工。 11 11 11 11 11 11 11 মুহল ব্যক্তি দায়বিধ ধ্যুক্ত কৃত্যক স্কুৰ্মেল । পৃত্ত কোনে না । । তালে নাজি কুৰুৰুল हरण निश्चिष्ठ माधिक र अध्यान मध्यम कर्या । अस् १० रहर यस रिक्टन स्थम श्रम हक्क टक्का १५% । अधिहाँ किला सहस्र १००० । १००० । १० विस्तुः को त्य महाभाषिका याम करह ६ यस स्थान हो। १९ पूर्वक्षु र ५ एगीवस वर । क्यूनेट्स करित तरास्त्र लग्भन्न सहारत् । १९ ४ वित्र । १९ एवं वहेट्स কুগাবলিয়া ক্ৰীয় লাগে সুকে এইটাছে মন (বা একর)) কি ১০০ কুল-लारक का करण का निवास समुद्द मेरल .क. १ र ८ १ व है। से प मन्। भर च्यान कीर्य धानन भन्त । जिल्ला १ १८ । लामन् विश्वन अस যার পজা করি দৌহে করে স্থাটি মতি । কর নিত কিলাচত আগারা अभिकार अञ्चलकार करक सुमात्र ध्यकानित ८० जीला रेज्यवी रह উপনীতা আহি।।

> মদনের নাহত ভাষা ভিত্তার দাবলৈ ক 💠 ভবৰে ছিভিঃ

छेफ जिल्ली। कृति निर्वालिक भूका, परण छला १ नग, रा-गांत्र कांत्र व दे छछ। छेमानिन बालिद्रण, कांत्र भू ६०० व्या ग, क्रिया गांगालिया कृति विख्या एकस्थाल रेम्द्र प्रकृत कृति छान द्यन याचिन, क्रिया स्वाद छित्र से कांत्र छान निर्वालिक स्वाद क्रिया मांक, यदि-याद्य रेख्यी मांक, कर्त्र क वृत्र संस्था क्रिया एकसा निर्वालिक, भाक निर्वालिक स्वाद क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क् क्लिका इका, जनाटके बाजार्क इका, दिन् इकाह अब कादिनी। आतनानि मुर्बछाता, यम्राम कानी निव छाता, स्टाइट्स लिम् गराविनी ॥ कथन करत कियांतर, ररम मृत्य रा रेजहब, जेनदील माहणमानितः। सार्यम दैवरम मृतर्काती, ब्यारमह अछि माना याती, वनीस्ड करझ (वार्ण-শুহর গ সরি কৈ খোলাঁ তেজপা, জেনিয়া দিনজন রাজি, জান্য সিত-विभाद अलांक। युक्त त्रदल्व देखन्ती कीया, कावाय काव काव गाँव . भूकी चिट्टी जारदत अहार । इस कि इटबा कि इताम, तथ्य भेटम छ । क्यान, नमान, ने हैं क्या स्थानस्थ । रक्षाप्रमान ना किन साम, न ेक्साभागा १४ ान खाला, त्यांटल करन खन्नल रहन । शाका प्रति नाहि र क्षित्र अस्तान्त्र व्यान्त्र, मान यत्र कृतम सम्माः कृति करी व्यानियः । स्रका पुरिश्व में १९४ वर, में १४ छोड़ि मीत विविधन । रेखदर्व १८४ समेग व १ प्रमाण करते । पात्र विस्ताद्व को स्व प्रदेशी सूत्र के सूत्र के हिंदी स्व कि स्व हर्देश शाक, नामा नाजामा जनाक, अनगीक हें उन्नी करण कारि मिट्ट लुगुरमामतम, कुछ नम शामन श्रीन, उत्पटकिन के क्षित्रक । प्राप्त (श्री के में में में में में में कर कर कर जान , जान क वेन्द्रानुक करण्य १०१८ र ११ कि **एक स्टाउ. टे**क्किट समस्र करत. इस्तिर १० क्या किया है। १००० वर्गान, किया देन आणि हुने, अभानम देनैक कुर्न विकासीय कारण राज्य किया है। जन द्वारायकारण केंगाकार प्रवास : श्वकित्सम २४ - १ विशेष

সানিতি বেলাগ। তাৰ কাটা।
কাত ক্ৰি বলালগ, তি এই বুটিৰ পুচে কৰ্মা নিৰ্দিশ।
কিনিয়ে হ'ল কৰাটাৰ, তাৰাল মান আনোহান, উন্ধান

कड़न राज्ञ स्माहब करिया **प्रक्रां**।।

क्रिक्रामा इस । नाक्षीय बानी, धन्न नवनी, द्वासाय क्रिक्राम पूर्णकानि । तरिया क्रमणि, छोरा क्रांक नानि, म महारिते. १४% मुर्तकारी ते १००४ विश्वासिती, स्राप्त १ लगारिती, कृत्य स्वासिती, वृत्य स्वासिती,

मा तो दा, अञ्चलको नेकर ही जा विकास मान्दीया भिन्दी संबंध

तुनकाशित हुन अस्ति वाद्यां विद्या १००० व्याप १००० व्याप १००० व्याप स्थाप व्याप १००० व्याप व्याप स्थाप व्याप १००० व्याप १०० व्याप १००० व्याप १०० व्याप १०० व्याप १००० व्याप १००० व्याप १००० व्याप १०० व्याप १०० व्याप १०० व्याप १०० व्य

একানিনী, নিক্ষণকী বি ক্লাৰ্থী হবেও গোড়ী ৯০ জাট কেবি। কেবা জন্ম ভাব ভাবিকা ভাবে। দেখা চৰত প্ৰিকাৰণে চেইবত ডোচের সংল মুখ্য ডোৱা জন্ম ভাব ভাবিনী ক্লোড়াবিনী, নুম । তুনি বেয়ন বিচা-বিশী প্রশুক্ষৰ জাদ্বিণী ক্ষা। সংগ্রেষ্ট্রেম্বা, মুম্ব তপ্তাপ থাতি क राजाग जनकरत सम्बन्धिक के जो हांचे बाजी जलाउ हरन। कार नरक कानि बाहुबैज का एक देवांगी करना।

मानी अधिक काम गुण्य सानिया भाषूनी क्लासिट अर्थमा पर करतन।

कार कारणे हुन अवन मान स्वाकि छोउ मछ। मर वीला स्वार समयाखा। हाइसाउ विक हाइस्थासि। स्वानांत का उ सम् लागि। । श्राकात लड़ वाहसाख्य। विक्या क्वि क पिरा ज सम् लागि। । श्राकात लड़ वाहसाख्य। विक्या क्वि का वाप्त छो। साथ अगावां कारणे। विदय क्ष्माह मन हस्त्रा। स्वानि छो। साथ अगावां । त्याह छावह मिकिय गाणिते। स्वान्तां का स्वा कारणे अगासहित इचि उत्त दिस्तां के स्व इक्ष्मा स्वा व स्वानां के स्व ए क्विन्य, बाद जिन बानां के स्व इ राज व्या मान क्ष्मा। द्वा निंदी महास निर्मा। किह न राज क्ष्मित्री। स्व वसी पाड पदाक्ष्मा स्वा क्ष्मा मिन। किह न राज क्ष्मित्री। स्व वसी पाड पदाक्ष्महा स्व क्ष्मा स्व विक हता स्वा क खानी हा हित्सिन स्वाका स्व क्ष्माध्या स्व का स्व क्ष्मित्री। स्व वसी पाड पदाक्ष्महा स्व का स्व क्ष्मित्री। स्व क्ष्मित्री। स्व वसी पाड पदाक्ष्महा स्व क्ष्मित्री। क्ष्मित्री।

वानी काइन दर्शांचक कर वर्शन।

मन् भन्न, कता व रमत्य । तथु कहे, भी जिन्हें, कि निम्ना ने क्ष्य कि निम्ना ने क्ष्य कि निम्ना ने क्ष्य कि निम्ना ने कि जिन्हें । यह असि, पूर्य है, का कि निम्ना ने कि निम्ना कि निम्ना ने कि निम्ना कि निम्ना

माधुतीय रक्षा केला के स्वरंगी र नीमा गीता रता है। से द्वारी त

अकुका गल्य:।

वानिनी भिक्षिते। उत्त , देगा।

কি হলো গো ধান আজি বুলি দৰত এবাছ তল ৰে মনঃ, হলাম বিমন, ত কেবন এত পাতৃত্যলা লয়ন যদি কল্পে গমন, ভালতো পদন আগন্দ, উদাচরণ বলৈ মন, বাস্কুলো তোমায় কহিলাস।।

भवात । मांचुरी कय गरशित स्थम सन त्याः कि दरेश का पि कर्ष ध्यानतान त्या। यन करत जागांत्र त्यमन त्याः न्यानारता कर कर लोग्नी द्वाम त्या। त्य पृक्ति त्यारः न्यानार व्याप्त व्या

प्रमण्डा

भूरीत प्रश्नित ज्यांकांत्र सांधूती ७ वदी मंगकिताांगांदर निप्यभूकांत शमम के स्वानी सर्मात्म मक्ष्मा।

व्यस्तुधा श्रेषातः । इनत्या इनत्या स्वि श्रेष्ठि शिश्रा स्टब्रा श्रुवा क्षेत्र अति । मांत मारमाञ्चन करते ।। छनि मांनी अस्मन्तारक भूका जना होत्र । जाम(w. र: जुनानु अ) अध्य निरोधक । **डेमाधुडी धिक्यकी** डाएउ क्षति गरक । उतिका माशुदी भूरच व्यक्तित अनुस्क ॥ योत्र स्वात मुल-बोना ठाडिकिटा होत्र : कडकरण रमया भाग खाग बार्ड होत्र। गर्का किकारि धारिनी ए-न त्यन तक : न्यानि नया यास मानवादित सकता निकार किन्द्रिक्त अरह किनेक्षीता स्करण पुलाब सेवामा दवानी मार काम कारम हा श्राम कड़िशाहर शांधी राष्ट्र शेरतायदेश काम जेए। विक लाजि देश करकावर है । यह किएस समन क्रश गांवृत्ती अधीता हिल कर हम वरण शर्वि राम ध्रुति। । । भागी । । शाम बनाव कि लेटफ ध्रुति। क्रिन दश किन्तु चरत धरा भर भरा । (परविष्ट्र आरंगक प्रण पिविम । बाजा। (मनि क्षम श्रह मजि जीवि शृद्ध बादा ॥ व अख्रात नि देन बहिन दाहिन्छ। अवदेश बद्धिन्द्र आवि अवद अहिन्द्र॥ ।। सञ्चलक करे नका कालारत कहि दता कहिएक केरेल प्रत्य निवीर्त :-हिरत ।। दनिएक धर्मी अमनि प्रक्लिं। त्रिक केबाइमी वस्त कि मान किल्ला। बीख गांवजीरत बुरल दरेब देवम लीत। बर्क कि बंबीता जान क्लाबनीत ॥ उट अश मेरीताका यगः कृतवाम । ता मना केका mare feder it til wie en aft ven con fe bente aust:

दमस (तार्ग भूक महे भीड़ना॥ (म दमस सम रही कोन दमसह नि व दमस्क विवरित शामित ज्यकान ॥ मानुदी कम महहित इस क्रिकेट छामित्र खक्न छहरत्र भार के कुन । श्रीपाकृत हम यदि कि क्षेत्र कुन । त्यांतिकृत मिर्न टूटि हस्मद युक्त ॥ छेमाहदन दस्स कि क कुनर। त्यांतित छत्र करन करन मुख्तन ॥

> মাধুরীর লেচ। প্রতিনী নিমিট্ট । ভারতে চন্ত্রত

কি করে সক্ষি জাতি কুম, তথা আলাকুর, লাগ বিমেক্ত মল কালকমুকুত বুজান বে জন জীতত দিব গোকুল, ভার ধ সম্ভা আতি-কুল, উন্ভেশ্য বিল জ এল, তাবে লো চাবে

माध्यी न इंग्लंड कर अगुबादहरू ग्वाबेन। जित्र ग्राह्म नामा महिल्लाहा शाहित ग्राह्म मर्का लिए ক্ষা মুখে বংহর জিপুর। শৈলরোপ্য জিনি সৌন্ধ্য বপুর।।
কর ভুমিত ভাষী বোড়শীর। তব সূত শরজকা ধড়শির।। অজটায়
নিতা করিছে শ্রীর। শস্তু ভভাগোদল, নার্জ শালির।। শৈলস্তার
প্রী সূরধুনী। শিবশিরে সামুকুলা কলধনি।। সংসারে সদানক
নিধনি। আশানে ভ্রাস ব্যোম ধনি।।

লিব স্থানে মাধুরীর পতি প্রার্থনায় স্থাতি অন্ধিক।
পতিৎ দেহি পতিও দেহি পতিও পাশোপতে। হে যোগেন্তা জুনিক
ভূমি চন্ত্ৰ প্রজাপতে।। কর লয় দ্যাক্ত্র হর ভয় দেহ গতি। তে
ভূমি চন্ত্ৰ প্রজাপতে।। কর লয় দ্যাক্ত্র হর ভয় দেহ গতি। তে
ভূমি বুকুলি ক্রমান্ত্রাই আন অহি নহ গৃহী হও যোতি।। প্রেতাবিরপাক্ষ কর হুঃথ বিনশাতি। এ জনীয়া ক্রীয়া হীনা স্থুপা বিনা
বিজ্ঞানি । ক্রায়ানলে কায়া কলে প্রভাব করি নতি।। ত্রিপুরারি
ভাতি। ক্রমানলে কায়া কলে প্রভাব করি নতি।। ত্রিপুরারি
ভাতি। প্রিয়ানে হয়া দালে পতিদানে রাখ সভী।। করি প্রধানি ।
ভাতি। প্রিয়ানে হয়া দালে পতিদানে রাখ সভী।। করি প্রধানি ।
ভাতি। বাধ কুল নামুকুল হয়ে কুলাকুলপতি। চাক ক্রমানরণ শিবভূমি দর্শহি।।

मार्हीत निव ठकुकेक खाउँ।

निः कृष्ठ क्रम । तिर तिर महात्मृत भागानामध्य दानिन । स्विध्वरा स्म ध्येमीम कृषय धाः ।। ३। अवि अविधारनम् विकरी शक्ति-शिक्षा समयुकार तिक्रभाकः अभीम कृषकः धाः । स्थाना-ति कृष्ठर शाश कृषाः पृष्टि इत्र इत्र । स्थान शृक्षमः वास्ति अभीम श्री धारस्या । ३।। यस धामः न रिक्षाः उर भूरम् । स्वादः अपि । वास्तिकास्याः कित्र धानीम कृषकः धारकः । ३।।

লিব কুই চইয়া দৈববাৰী খোৰে নামুক্তীকে বন্ধ আয়াম। কুণ্ডলি কুন্দ। নামুকীকে বৈদ্যাৰী কেন জ্বানীকান্ত। পাবে কুণ্ডলি তৃতীয় দিনায়ে একান্ত।। এনেকে জ্বোনায় বন্ধ ঐতে। ক্ষুমি বোনীবনে পাবে পতি বিনাস আয়ে বন্ধ। কৈববাণী

धीश धनी हरम मरम नुधी। रेख्युरी आलरम हरे मर अराम में नवी।। जीराह कारक जामि कव क्रममी कांफ्का देक कामारह अब गरत छतांच स्मारत पता।। स सात्री छाओद आलग मुख्य नग्न दास।। < इत्य कार्य मधनां कर्त करणा कारभावां गां । कामरवां गांधारगांत रवात्रारयात्रं क्य देव । माविक्ष्य क्षेत्रह्याविका १ स ०३ माटेल । कि किनाम कि वनाम तानाम याद आर्थी वर एट आसामाती रेज्युदी रवातिमी। स्वीवम रनाष्ठम भग कुटन उस्टब र 👾 🦟 🤊 जिल्ला कर दिक्ति कांग्र आसिष्क देवन ।। सांसूच मा क्रम कीरम अन्यास दें। करे 🚭 कारतीर्य मन मानद बाजना घुडाछ । देखती १८५ है। काज बद्धी बिरंग कालि। करले तम दाख्याना । धार्थक प्रकेम नि । जेमान्य वरम जीया गांचु निर्विकात । श्रेत प्रश्रेश व्यक्ष अ . १ में 🗅 🔞 🖙 🐔 मानुशी कन उन्नेरात योडां ७ व्याना रा सहरा तमती वन नाति। ভোলারে। বলিতে বলিনে ধনী ধরিল তার পার। কাতরা দেই कीमा बरण कहित छेलाम । छेड्या करेलम धनी करण करिए अन्य स्रमण्याणं वृश्चि प्याटमं स्राक्षीकांत दिख्यमः। अक्टॉन रमर्गा प्रा বোধে মদনা ভ্রমোগ ভঙ্গ করি হট্ডলন নিধন ৷ ১ডয়ি বের্ট याम जरम अफिनाम क्लमा। जान्या १६४ अदन महिटन इद রাশি । তোমার কার্য্য দাধনেতে ধদি নাতি গাঁচি। তুনি এবার ই त्मद आमिरका मधिति ॥ खेबाठतंन तरल बाधुतो कृत्य कहना। (याक्री कि खोड़िक इटन घड़िक करूना।।

তৈরবীর বাকে। কিঞিৎ শান্ত চইর মানন্ প্রেণ নক প্রাধিনী রারজা। তাল টুংরি।
নাধুরী রূপ দর্শনে গথা প্রতি সদন কংক্র।
নাধুরী রূপ দর্শনে গথা প্রতি সদন কংক্র।
নার হলোকি বল ভাই। নারী রূপানলে মানি
নাল কিলেকে হুদ্ধারী। কি ছেবিলান আহা স্বি,
কটাতে বল নারী,পাবি

क्रिका शुद्धा ।

विनी महसाविनी हुन्दि सामानिका बति, बरना द्यान विमाधकी, क्या प्रतिष्ठ अस्त्र तथा। जारात लादि छ्ला, हरेरब अछि ब्रेडको, अन्य शास्त्रि बहाय केनत्र । शुन्द बदन नग्न मिछी, अनस्वत मिर्व हो। त्म प्रकार करूना का नव ।। स्वत्य अध्यय अध्य अध्य । राजमात्र छेन-त्र, इंड ना (प्रविष्ठ केलाय। करूडाक वारकाचन, कांकिरनन क्ष्युद्र, ज्ञा अन अने चाद शास ॥ धर्मीत कडीक मटन, ध्वांग मि:: स्थापात्, कारत चारत कीवन हत्रा द्यमन कार्क म राह्म, धांत कृत क्रिक तरन, नरनवर्ग कीरबात वक्तें।। एनि विश्विष्ट क्रा, प्रकेश हार्य, की भंगूप हरश खाल रहें। एम बाह महानव, रन हुनुप क्रिनश्च, त्म श्कुत हरना मणना चरके।। ७ मिका रहना मणना, नाम-हुल महत्त, अला भाव कीवन हिंद्राइव स्वयं स्व. कामिनी विस्त किरम रोडिंग आर्थ, मह्लाव सन ए बहिरछ ॥ अधिमृष्ठ कर्ष नी, श्रेष्टा रूप नमानि, जान क्षांत रूप बोक्सोसी। बार्य गरि ब्रिजिय, मांगासांक तांच वयू, शुक्त स्टल हरें व मां जिल्ला । मित्र ब्रागा नाय, डेलंबीड निरामरन, शुन्त तब कविर्देख शुक्रम्। नमान नि दिल्ला, हाहारय क्लांस मसन, काम सन्देशारम दिकाल ।। श्लांस कित्य परकटना, बानश्री खादर नामरम, दिला दवं बरहे अधिमत्र । क्रिमाठद्वर दाल, श्रीफटन कारबह आरब, बारह नुसे कांद्र थानि

ৰদুন কামনদে পৃত্যার ক্ষমকান স্থানিখা ই একও ভাবে একত কাৰে উত্তর দিলম স্থাপন কৈয়নীউপনীকা কৈয়া ক্ষিতেছেন।

> মন্ত্ৰের নিকট কটডেড জৈৱতী নিদাত চ্টত্তি সাধুরীর। নিকটে গ্রহণ

भवीत। समस करह भृदिव श्राम ७ देसररी। कदिन भन भृति

स्थान हिन्द । कृति छोत नरण कर नस्य निर्देश । सार ममान स्मा

स्वार छनावरम । स्विति रेखनी नरण किन निर्देश रखने। सार क्वा सार हिन्द स्वार । स्वार सार हिन्द स्वार । स्वार सार हिन्द सार हिन्

भवनशायुरा

त्रिक्षा क्या माधुदी कहिए। तम्य मानी रेक्ट्रदी कठ मृत किन्तु ॥ विनिर्क विनिष्क तमस्य रेक्ट्रदी जानका। छेबाहदून वस्त क्रिका विविक्किंग।।

ৈ তৈরবী দেখিখা মানুরী গককণার জিজানা করেন। রানিনী টোরি। তাল টেকা।

वस धनी त्यांमधीन श्रांनित्स (भांत अन्त मृदत । अनीत श्रांन्य दिश्म अत्यानित त्यांना दिस्र द्वा । भां त्यांन्य तम अगमिन, श्रांग मस्ता च उमनी, अभानिसीत भिदता स्मि, त्यांचे त्यां समुद्या अभि, श्रीमाउन्हर्णत वानी, मा

चित्रमुमक्षेत्र। सार्वेती कत्र व शीमा दश वला (वांगी करें बका कार्याद किएला। १० छेलाजना कि इन्हां दिल्लन। कार करत अर्ब अंकिल्ला। (कालांग्र एकिंव त्य बने उन्नर । श्रेस डॉर्ट्स क्षित्र छोखन । यह साल कोलवा नाना भूकता वक्क निरम कोरन ्रिटीम कहा। शियातरण के अन! (कम बाबुदी। शंकत कार्यः त्त भित्ते भति । इता कतिशाम अरमक विष्ठाति। किंदू नशकि हें इक्कानिक दर्शकोय कतिको कतिहत भूतनी लेखिन दस्यक विविद्या माहिकी रह- फाटर किएमन अंगा के एमझ कवित प्रकास वित कीमा परवाशनि किटन देनदाना। निकट के लोकेट करेटन हिं। अब नवा निवि कि अध्य गर यन। भरेम शक्षा कारमें शक्त उ म ॥ वंबन मिलन हर द प्रदेखन ! छव त्वारंत्र छोत त्यांत्र दिशक्तन तीखराजा हरना करन्छ। कहिए इन छहन विश्व कथा।। खना रियोरन छात्रांति कालया क्टरेंत ला जीवा विनान छेल्छ। क-हे रेखारी केश्वरण नवन । जिल्लाहक त्वम के चंटके खेलग्र ॥ लिज दक कर्त मा रह रना नम । बरण करते कमिनिक कर्त नेन ॥ भाष्ट्री किया हिन्छ। तात्र मा। जामात विकास अनेत कावमा।। टेडरवी हात छाई क्या (नवत बीवटनर मा घटन बक्त ॥ उत्त-

সময় নির্দয় করিয়া ভৈরবীর গমন এ মাগুরীর ভক্তিভারি কানীকার পুরা ও স্ততি।

शुक्रांश्य काली काल अति ।

भगत । सदमा नीमक्ष्ठकाला प्रमुखना जिलि। यह दि क्ष्रिका निया क्रिया क्रिय

हालिशे शिविहे। काम काछ।

বানিত্রী চাত্রিয়ে হাতে এইল বানিন্দ বেমন। নয়-নেতে কেরি ভিত্রে মতে কুলু নিশি গ্রন্থ।। কডকাৰে কেরি শশি, নালিব এক্টোরাখি, উনাচরণ অভি-নানী-ব্যবিদ্ধ উত্তর বিজ্ঞান

्रिकारी । देशकारिकार्था हरो, शहरी बसूदर शिरव, नमा र कार्य निरोक्ती अस्तराह अस्ति विकासक क्रिकार कराइटक, कर्या

. भाइती मनि मेठ निरंगुचा हटन लागाइ:

विकार समार समिता

मरकरा बारा काराई वा औ दीकि । इन एवं नाई नरन करता ধৃত। ধনী ভাবে কালেদেরে জাপা নহে ঘৃত। নাগুরীকে ধর্ট कति भवी मध् । जिलारीकः देशक मदन रेख्युकी आंखवा। अस्पृत्य नि ভীমারাজার সময়। খার লাভ ডান দের করে কর মার । সী নিয়াছিলেন ধেষণ ভারহাত নুষ্টিবরণ সৈই মত একে: মারো বোরি मिनिरद्र !: श्रमि इति यान्य तोका अत्यक्षानुस्तः : **দৰি আনিজ্যে তো**মান্তি ৷ ধোষী মন্তালিমত ভান, ১০ জনতিত চল স্কে বলাচারী কবিতা পুরিখেত : এবলবছন তুলংবে: আর্থ ল গার: তর স্থানে চান তিনি পাংল উদ্ধার ॥ প্রি শিব পরি व धनिया समगा जामा मुनि कात्र काध्य एमन निध्य। टेप्पातीया ক্ষেত্তে যে চলিল মেটেটিবল চন্দ্ৰ লাখ বা, লাখ বু বেচৰ কলেব कांकि करण्या रचरण रचरण कान्यु काण्या झान्या जावराना है। गाना 🔻 कि आफि खोड हा । कीमा बरवा एकम एक्षि है । खाउन पार । अर्थन एक्ष ७५ समरी आकाश ॥ एवं माहे गरन नहां ही। इंगरी काकरम जैमसार्थक सुनि । अवनि वात्रुव वात्रुव वात्रुव समान वस्त्रु करत्राक्क भनी भमनाष्ट्रामन । व्यन्तिमा ५ हरूर कथा व्यनक रुट्र राह्य করি কি আলে বঁলি মুইফান ভাবে এতল্রমূব বসনেতে তেকেছে भूती। शिक्षारिक रूपन आध्य और कार पति । उक्का कक्षत पूर्वि केंग्र तालम। कहिए। रर मच्चे स्टेन साह एन । आकः विन हो भाका विशिविदेव (वया। डाकान्ड भारत मन प्रकृतिक हो।। भरी দর ভক্তর করেছ ইন্ধুন। ও বিষয় হেরে মোল হর্ণিত মন ॥ চন্দ্রমা लम ७ वमन मधन । बनरक दंशालन कहा कि उन्हें 🗸 २० ॥ धनी 🦼 मचुत्र छेरुत किएक केर्द्रका दिव छाटन ८०१क कि कामा जेटन देव **ভাবে।। जान्हांनम क्टब्रेटक वीम गढ़ा देश चन। क्यारन पि** वषम गीउ कित्रन ।। उश्वत श्रमिद्य द्यागी दरम छगम्न। ছটিল বেমন তুরগ।। উমাইরগুরলে ছাভ আন্য আলাপ। কর

यां कीत ज्ञान क त्यां कित के खत।

तं स इन्तर् जिम्मा भूतरप्रद मकार्। डेस्टर । मरकादर ।

अभूम धाना कमार्थ महावामध्यर।

छ। निर्व मान अधारदन चरमङ পরিবর্জয়ে९।

मम्भाजानत कांका ह उपर व नदीवामरबर ॥ >॥

অসার্থিঃ। নিব শাপ্মক দেখ স্কর্মের দোবে। স্ক্রি বর্জন शास्त्र महत्याम । कम थनि कहिलाम शालाम अकान । धलमपूरी দম্পতির মন্তারাস ॥ ১॥

विजीय ध्रम । शहासम विदर्शकर।

বিতঃ। শ্ৰেষ্ট ঋষা প্ৰিত্যক্তা অধ্যেন প্ৰৱৰ্ত্ততে।

गर्यकर्ष ভरतर शबर होते क्या मित्रवंकः ॥ २॥

जिमार्चिः। (मार् सम् श्रमा कति जशस द्येवर्षः। कळक वन नव ৰ কৰ্ম বাৰ্থ।। পাংপত্ন পাৰ শিক্ষতে ৰে এই প্ৰতিকল। হাচা জন্ম वर्षक रेमरन घलाईम ॥२॥

ভূতীয় প্ৰব। স্বৰ্ধকৰ ভোগিতা।

বিভা। কৃতকর্মণা বদুক্তণ দলাক্ষা বিচারণাত।

वूला विकृष्टि (बरमन चकर्षक्मा खामिला)। ।।

अगार्थः। कृष्टकम् जुङ दर्षे जोशं आमे गाता मिना कर्ता छ। क्रानंत विष्ठात्र।। त्यापि त्या कत्र। नरहाउ के किए। क्षित करन बिन्डि ॥ ३॥

छ्वं अव। नवा विमा कि वसू

किर्णा अमिनः जीत्वर मक्षा सम्भेगत्वार्थः।

(अकिंका मांक्रामादीनार अला दिना दिन क्लू।। 8 गा

बनाविः। निरुष्टं बीन हार्वं क्लार्ट्संड नाइं। श्रवि निर्मा क्षानाजी व्यक्तिका अखरत्या विकासक साकि कर आहिन्य (व क्षत्र)

ह दिना काछा त्मन क्या त्मक बद्दा ॥ है।।

बाइं करिकार लुडण जाद करि कवार्य हु बेबी प्रकारण गरह AND AND 1 18 97 1/2

नवनमा भूषी

स्यानी स्वानित्र कारण गर्यक्त विदीह व्यक्ति सरन हर्य के हुन िक्ति स्वानित्र वरण दर्यभागा।। यहने दरम नायुक्त हर्य के हुन कि लिक्टि सिर्व कि सिर्व क

নাধুরী কাতর কিংছে কোণীবনে ফলিতেছেন।
রংগিই লিকিছা তেল তৈক।
ননঃ প্রাণ প্রাণ ব্যোমায় করিছে জার্পণ ভূমিতে
রম্পা র্মণ ভূমি হই তলা কুপান । তি জারি লি মেকেছ বিপান, করেছিলাম বিব্যালন, উনাচাল করে বে পান, জোমা হতে হয় নিজ্ঞান।

स्थान निर्मात का वानी साम द्यमभूनो। अनि उनन स्थान कार्य स्थान कि सोनाव करिना शृहनः करिया नया वतन नात्रन स्थान क्षित्र के के करण के लाह ए नातन।। स्थान कार्य कार्य कार्य क्षित्र करणाह मुन्ता किनी करण। का सोना कार्य कार्य कार्य कार्य कर सोनी स्थान कर्याण स्थान स्थान हो। योग कार्य क्षित्र कार्यन यय सोनी। सोनीरन्य स्थान हिर्देश के कार्य कार्य कार्य कर्य कार्य कार्य स्थान किए सोन कि लाह किनी।। स्थानकार स्थान कार्य कार्य है। मिक्सोर कीरो केस्पन स्थान से

रवन त्राम खेलाती अवन्यक्ति वना

कारकामक समा। यह महत्त रशामन नएत। मानी वृति कृतन उन हात ।। कुठ त्वातरक करव क्वार्लन। ज्ञाविक त्वांत्री कांच छर्गन क्षिक्षि करत्र महात । द्वान क्षेत्रक करत्र त्वात्रक्षेत्र ॥ वन्त्रेत पर क्षित केकित। मान उम्म क्षम लाक क्षित । समन कहिएक कार कि-कारम ना निएक धन क्रकि अनि । बाधुरी राज धनि एक ना।। क करम रक् ए. वज केमांत्र । मरहा क चाहि (व अविराप्त । अकरारत िए के रूप रूप स्वयं करात कर दिलाका त्वरिक श्रीत तह कर होत्र ॥ अपन क्य कि इस मांचुडिश कामानद्वत सीवन किएन पति ।। क पति अविशारि का । तक इक्तकरी कटन वकालक ॥ तकन बोबी करवब बोरख । शास्त्र श्रीम इस शास्त्र (र कारख ॥ वृदि इ.मांच जून नारा। नार किरन गुर अस्टडक नाल ॥ हरना CHICA FACTURE AND MENE OF PRINCIPLE CHIPT ATTE TE NEW MICHES OF BILLY ST. BEST ST. B. diene Mort men & gent en eile mit HE COLORS THE SERVICE A COTTAL

CLOCKIE EN IN

चीकात रहे !! अमानत्र स्टब्स हेनी काम । जीउ देवका

भवन संपृत्तीत तक्त करता। जातिनी टरकीय । जीक बाजा ।

भून विकास का रचा करू तक मार्थ करता जात मम सम !! क जिन्न वह जिन, त्यमदम घाए निन्ति किन, कान माठि तथ, क्रियोहतुक विका रहता दस विन विमन करन, दा तिन दश्यक काल भूरपंत केनता।

कर्ग्य क्षेत्र । यसम ग्रिक्ट हमी द्वारित हमा जाता में सार्थ स्थान स्थान स्थान हिंद स्थान हिंद स्थान हिंद स्थान है हिंद स्थान स्थान है हिंद स्थान स्थान है स्थान है स्थान है स्थान स्थान है स्थान स्थान है स्थान है स्थान है स्थान स्थान है स्थान स्थान है स्थान स्थान है स्थान है स्थान है स्थान स्थान स्थान है स्थान स्थान स्थान है स्थान स्थान स्थान है स्थान स्थान स्थान स्थान है स्थान स्थान

TILES BY THIS

क्रम इरमा बुवरमा। सिंदर जटम अटम विविध छाटम। के कि विक नारक।। कि विनेम कहिएक स्टाय सराय। हिन्द्रीको बाद प्रमान । रहन्द्रशान कतिहरू प्रच । स्त्री of alms desired and all business with To stielle sale collect solet se 103 | with affice भारकः। तिमा विभारताकः यात्र माहित्य। विश्वादेशः वात्र न जिल्ला। माहित वटन कर कर कर कर । उर कमर दी-Non illenten Ben und genit neit aufe water Bett अटन इयकी करह खार्टनबंबी बाबरक कार्या वा करत नेपत ।। कार्यन म ७ वजरगारचे जावितक कवा कार्य जात्म । धीय-कटबेर तम होडि। जनमण केंब्रेड क्या निहेरित । क्या मत्र जामरंगः रण कर्ण उत्ताबक्षण वर्षणः सून्दी जामान्यी कि हात । अविरम अब कि एक निवार निवार । जाक स्मान करत कम वर्षण । कारक रूप पूर्व ज्यानि ॥ स्टब्स्ट स्टब्स् स्टिन देश देश । जनूरका ह विक्रिय जान ॥ बरबारबंह दिना अस्त्रात । कारब काल बार्ड feetall serve etc afen serven me des serves mine AND SELECT SECURITY SING PRO WAS COLUMN. DECEMBER STEERS | COLUMN TO COMMITTE CONTROL CONTROL |

enter of the second sec

द्वक द्वजीत तमगोरेख निर्माण १ मनर्गन निर्माण्य कोत्साः ज्ञानिनी नृत्ये । कान कल्यानि ।

क्षांवहक विकारक कि जान पानेंग रियमानाचा विराधन के किन, क्षेत्रक क्रांत्रक कर्निक क्षांत्रक कर्निक अपना कर्निक अपना कर्निक अपना कर्निक अपना कर्निक क्षांत्रक क्षांत्रक

क कि के छा । दे रकू निरांत्र ये दिशालक एक निनिएड कार कहिरद मिर्का । बीरन छोगांत कारक हिनेन अ त्मर। लीते देवन विकास निरमको लडाय मानिसारक तर सह कित्मारेख अमित बाक विमाप प्रकृति देशी वरण अ मूर्य वियाध त्रव। सम्रोष्टि तृतिहर त्रामा स्नाम मित्रव॥ नेयद सुडा-किटना द्याम की तक । व्यक्ति करेन कर भागात की तर ॥ भिक वि आमि कांत्रम धमन । हाडा नेन दृश्यानन टेलनित यमन ।। " करब अमीरत धरेना अवम भागमा । दनहें क्रम् बाधका किन्त नर ह क्रमा भागमी हरेगा यमी अवस्थित शुरु । मुद्र लास देवक दिक्तांका क मूर्ड है एउन मिनामेट कि नीख माथ गूरत । जान अनीम श्रूट् भरत रगुरक्।। श्रांत शृक्त। कडि भनी कडिन नग्नम। स्त ताजन मांक कृष्टिल नहमं। कंडकरन बाद मिनि कहिरके का उपादेश काल प्रमुख कार्ड महत्व ।। जारिस्ड जारिस्ड कार्रिस्ड कार्र म गानिको। मनी नाम कारड काणिएड वास कास्त्रिको। डेमाञ्चन ब्रोड ब्रोक्सोहिस्स। मह्मारन लोव नीख लोगाई वनिएक ॥ वनके बांचुबीत विकीय मिटनत मिनत अ मनटनड विनश्रीक ৰতির হল।

or cold to be need to be read to be readed to the second to be readed to the second to be readed to the second to

विषय माम श्रीक । श्रीक विषे, कर कार्य, कर एक स्मिति करके । स्व चेकाणन, रेड्टन कडिनाम। यम अंग, गमानक, अध्य छाड तिन् वनी कम, महानम, रकम कर रामि। रन नेक्एंड, के बहित, हा বহে যাওঁল। কলে বাকা, গোম বন্ধ, কলিছে বে আতকে। क्षांछात, निर्ह्छति, नरेप्त हि शकाम में सिद्धीरबारन, ताशुरबारन मिथियोक् युर्वन । मरठजरम, भूबजरम, छारब कत युर्वन ॥ अ स्वतन थिकि इनी, करा छितित नथा। कोडीम, यनिष्ठीय, एनंदर्शेष रक्षना मग्रा विश्वी केस, किरम रम, उर्व शेरक इमना। छोठ छाउप, ब्लामबुरम, जुनि श्रुधा जुनमा। छाटल नाल, करण काल, त्य ७८३ थिए मि । याह कार, राव भूर, निगर क गरानि। साम क्या, दुलमूटा, केव्लिक् কাভরে। হিতাহিত, অণিচিত, কার্য্য করে ইতারে।। কোন বুকে चामितुरक, जारहाकिटवे बसमी । शत भाती, शामगानी, प्राथारक लिएको मुनि॥ ब्यानी क्या, नुमा नवा, उन दाखायानिक । रेमछा तरन, कि कार्य र्त, निवंदरक के जिएक के परि रेगे, जिन्त देल, अभारतटक उन कहें। भव शहर , उहि तकदि , बदार यमन अरे ॥ १२ वर्ग, वन कि । । दियानि महाभाग कामगुक, बाह नाहा, एक मा तहे तक नह । दिल्दीक ला कडील, शहरक लाल हव । क अमान, उस मेमम, केमां 530 सम् ।।

सांचुती विश्वतिक अभि विश्वतिश मार्क अभाग (मध्या)

ভক্তিলিরিভার্য। চ বদণং যদি কুর্কতে। • প্রাক্ত ক্রমানুদ্যাৎ দশ্চতাদ্যাপ্যপৌধসিং।

অন্তাৰ্থঃ। প্ৰক্ৰিকটো সতী উচি রতিকাৰ্থ্য কৰে। তবি ব আ ক্ষম হঠিত সম্বাস্থ্য । আন্তাৰিকসমা কাল পৰি কিবেসমা প্ৰতি পত্নী আৰু গতি বেদের নিৰ্মাণ

WASH PURT

भवात । सबस तरकात कर आहे आधार संगी । काळ्यां क टाका वाहि काचि सामि । किनोरीय क्षेत्रक काँग असक अधार । वेक केव अकृति नारकत विभाव । किलोरीय क्षेत्रक

শার্ম কর্ম কিন্তু চ কিনপুর্ক বিরামিত।। শার্ম পার্মপঞ্জানে সুদ্ধাত্রনিবলিতং ।

अन्तर्भिक । अवस्थित केन्द्रित को सी करता विश्वतिका । भारत पुत्रन क बीन कानिया निष्ठित्री। कांश्यत शास्त्र आद्य ज्ञ भाव चाटक का (देशी का करेशी देशी के किया किया कारणह शार्यन का क বেলা উপস্থিত। স্থাতিমত বিপরীত ব্রুগ মিবার্গিত। মাগুরী কম ওম कि सामात करने। डेन नीड यात्री खत (यरमज निथमें।। उटके मागी মাত্রাল একি ওক্তর। কার্য। থাকুক বৃত্তে প্রান্ধ তানিতে তুত্ত । दिन त्यांनी वर्ष प्रति कि हाति दुर्शभाव । देक लागा हुई कार्या हुई किकृति।। तो मा रहल किमा बुशिनाम कामनाथ। अ दिनार आणि करे सार्वाविक्तां । क्रांट्रक ८५म माहि स्कू शाम नवार्क्ष में कि कति परण-मी दमांत्र महत्वात निरूक्ष ॥ जनम बर्ग त्यांत्र आति महत्व त्य मनास। क्वान नाट्य गाटकन केश रक्षर नम्दिन । अनि श्राम दक्र गांच कालू जातका । क्षार्राटक काला किन गांक घटने कुता ।। रहाती बटक वरि CALLER ATT AND INCO COLO MED HIS TAILER NO II TO ME कि सामा कवि दिनकीय हम। कही हाय मेडि वर्ष के निनदीय प क्षितीया जारब मति वानिसीत गारम । इति गति सम् कार (क्यु complet to an and was week went found culf cells का रात पानिमान । क्रमानका नाम क्रमानक वेपना । कालाउ रह E Realts III A

বিশরীত মতি।

वानिनी विशिष्ट । कान काइन्ता हो जानि निन्नों के रोष्टि साव का आहार किया । कर अगर साविधी काव का लिए गाविनी निर्देश । तुवान ने साव का ना अपने का के किया । क्षेत्र दास का ना का ना के का कुशहरका। स्क्षिती कर । कर निर्देश का साव का स्विधी के किया । वर्ष क्षिती के किया का निर्देश कर । स्वयंत्र के बार , कर का कर

केचात । रवानी बरण सामाहेत, काटस छेनरमन कित . अवका एक श्रुति, ध्यात्न देवर्ग माहि वति । त्मान्य भाउ त्यम तील, मार्टक्ष्यक विश् कीछ। बारच काछ भारतक, राखा छटके कारखानुकी कर नेपा नर्ष तिनि, छेर्फ, अथ अध्य अनि। हथ अण सूर्व सूर, क्यू हिन्दक हिन् पुरकाठ अभिन तुन छेत्रात नक्षाहुक देने विक माहि सारन राक्ट अरह महरत । अकि खड़क एक हुन, जुल जुल मून वन मार्थ किट्डन वानी, यन अनु कही द्वित । हामा वर्ण महानम मोह खांना जिल्लाप्र यांच कांक छाड़ त्यांना, सहा शत्क छेलेने में क्षत्र विशेष धार्थक, बक्र जम कि विस्तृ । काळा न है जिए बीएउ, इस वह . माभादीएउ L.कि.निट्यादिक चरित्र एक्ट स्टाइन एक्ट के दिन L हारे नी न्यात्र श्रम, कि कुद्र कार रिसंस्ता अमेगायक अनि वस्तार के स्वार ्रा । प्राची पर्म निवस्त, ति बनी क्रियम । हे ति परि (द) मक्त का कि करते। विक्रम एवं राजा करते , के के काल कांग्रे का CATO HE HAVE, HELDE THE STORY OF STREET BICE मा त्रिक देखा पूर्व केनार रहिएक, त्र सका रेख पत्रित हुकत विभागी वनी, एवं जिल्लाकी सनि । कर अब अरग उटम, स्टम अनि लो कार्ति हुक। बनारे बनारे पर हैं, केतरि भागति के है। करे बात उस राहि, स्रेमा दात नाम कर्कि । तुन्जित रहत्व अग्रिमा क्रिका अहिन नव मुकारेटा माह्य कारिनाम कार्यन महिला के कार्यन है कार्यन, ही शुक्र न्तर रचा कर राष्ट्र विकास माना विकास कर कर कर कर दर्गा नमर्गह लहा, स्वीत करह का बहुदार करन कर कर दिशकी के, नाएक श्रीति विभवीका कविक केवाकका विभवीक कुउछक ॥

नाम क्यांत्र क्यांत्र क्यांत्र क्यांत्र क्यांत्र है कि उटन ।

यस्त द्वित्तनक्षण । स्टब्स्स क्यां क्या

क्ष भक्त नक निष्ठ। छट कास आस गाल हका। फर कार्स, किसी अक्ष भक्त नक निष्ठ। छट कास पर्व कार्य निष्ठ। प्रव कार्य गाला विकास कार्य करें कार्य कार्

मिलिशुक्त अम्रास्तव विवादे करी मन्त्र भी भी दे वृद्धि ।

नवारा रामबाङ विमेदीङ रक्षान दिन । दिनारी रक्षा प्र के दूरियाद के लिया के किया की मान हरेला एक करिया । या दक्षिण क्रिक रेजरल भाज क्रिकी बारेकों। वर्षी क्रिका क्रिकी क्रम्बारि करना सन्ता होत्रा करशकि किरल जिंद करा में अधि देश हिंग श्री म्य अपनि । जन्मामा कामान्य में विशेष । करार का व रे किया के किया के किया के लिए की सामा का की कि मार्टि । नव मन् शरव दोक्ष हरेल (स्रज क्ट्र म) नुवाबके क्ष दर्भ ताइ एक्ट्र । क्षांच ता शहक तथा विकित्रांचा में । व विश्व करा करत देखान की जिल्ला करते हैं कि का निकरी दिया की नाम (करा लागान कृषिमी ॥ जानांक समधी हुए स्नि छह. THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH किया हमा। शिडांत ता मती नरी दाड़ाव हो देश ह ना किया नी बाद कार का मंबीर कादान का बी काहि वाहि नेक से देवाती will be asto the Tare Par County I be to A 300 PHILE THE TIMES CAR | 300 M EATE ALT WIN BOTH अभीत केनचु अंदरिंत करा अब बनी आंक निमामत चारवाचन कि स्वत्यक वृद्धिका का स्वति विकास नीव द्वारि नीव प्र वि ॥ भारतीय राष्ट्रिय बाब स्टा दे विकेश स्टायक मानक रर BRIL BIR RIVER AUS BRING GREI BREG TRAIT

জিল পুত্র গৰী আনি ঘদে।। শুনিষ্ঠা থাহিত আৰু বোৰীইত্র ভাকি সম্বাহর উমাচরণ কয়।।

> माधूरी छेकापूर्व काल मिन्नामत छैरन्तानी।
> जानिये निर्णाय। कान अक्टाना।
> छानि मिनि जिस करें त्य क्ष्म र्थ्यय विन्तारको छ स्थितन काग रक्षोरम निर्माण अरहा क्षम कर्ता नग माधुरी हैंग्य पुत्री, रेश्टी श्रीत धांस निर्देश केमान्त्रें। नरम्भिमस रान स्वाध रक्षिकीर्य।

जाइ-जिल्लामी। करिएक गोपुनी, आन जरुठवी, यनि क त्लामारव अ नय दक्षिरमा महिष्ट कीररमा बैदिल जिम्मरह । काल में अहे, वि रकत कुरुत्तक, शास्त्रकीय पूर्व । व्यवसारक द्वाची १९, भटक अरेत्रण मही र्रोत गढ अरह। अम कार्य मेरी, आर्थ और अर्थ, खान अर खाता का कार बाद बाद हरवित्य जी है, दे सर्दह छ। दिन ॥ दे वन जनगरमा मा बाक्टिय (घटम, शून तटन ६।न वज बाह, का नग्र का अन्तरिन, अप असम (सरहा किया पूरी कप, हेका ह कि क विवि माहि विद्या दिवस्थात द्वित वित्र ए वित्र सक्षादिक बद्ध लाबिक्क लामानि, कुमानि बनाडी, मा बन यशान। कामान कुना 'मि का अ शोग, इसे रिश्तात । द्वित प्रचित, आह अपूर्वे हैं, हर वाका परित्र म की अना बड़ा. हरेया शास्त्रा, जाहेन वानिएत ।। कह वाँउ काजि, करबोह मेटांडि, जान पहेरणी । ७ (मधा काले, न भीख छुना, कुमादिन काली।। भनी मेन बटमे, जात १८८३ ५८ है, भी उद्ध भारतीत्व । समित्य प्रत्य, महबाद अवतः कामण वमान ॥ नि नरन मधी, बाब तमम बन्धी मा त्यान चहिएछ। वन कि व्यक्ति ने दर्भ साविक, नवीत अविदेश १ को शाहण का शाही आ निर्देश हैं जक्त क्रांच। १८ व.च्या अक्षाना नंदः स्ता सम आकः।। संस्थान, का गरी सकत . वहिंग्य सम्बद्धाः अवश्र विस्ति छोत्र बरंग न THE PRINT PURE THE PRINTED IN THE PRINTED WHEN

TALLAN ET I

ক্ষাত্র ভিদ্ন কল তোটো, বড় গুণা নশ। তাহা দেবে গুনে, উন্মান বিবে, করেছি সক্ষ ॥ হও গামি ক্ষাত্র, গুড় কর্ম শীল্ল, ডায় কলোত্র। করেছে যোটক, নামুরী ঘটক, হলে। ললাত্রি॥ স্বা ক্ষাবাদ, মুখিনে কুবোধ, চলে স্বান্ত। ক্রীইলাচরণ, বলে ম্থা

প্রিকৃত ও মন্তিকুতার বিলগ

क्रावित स्था धार्मा कविक त्रमानाम । अस्य मात्रम्य सा-। अफि अम्बन क्षित्रांचा के किल्लीहें इस कीमा बटर ।। रमा प कारक केवाचुकी। व्यक्तिकाका अब ब्लोन प्रति।। भागा करन कर क्कि । (के दशन कांत्र नाम शास्त्र कि एक गञ्जाय करत र प्रशास । (कर) मुद्दित में भद्र है (कदा कारण देखा गर्नाधीय। क्वा व्यानि करत क्षात्रांत्र । केत्र स्टब्स्ट क्षात्रांत्र स्टब्स् विवादिस अञ्चलाच मेराज एक मिर्ज नार्क। क्या किए क्या कार्य कार्य ब बटन क्रम महामाजा होए। यह यह वह करने कृष्ण हो त्या व न्तर्वाहिक र मानि माजा दर कृषि भूरीयत केमाबाक व्यापान क्षान में हर पर करत महामारक प्रकृता मान रह कृतिक तकारक। हेरिया हरे करेंच गाउर ॥ विजितिका अन्यक्ति इसम् करोन RA ATO B FORM AFRES ST MINIS FOR MORE SEL-BEAR JOHN TON STEP 1 43 AND PER BIT OF STEP किर्मानन कृति बारतः । बारमक व्यवस्य बीताम ॥ वाका विनाम तक वीरका) जारा सम्बद्ध होते शक्ताक । श्राचान बुद्ध रहा वि-W. D as fein al-mistan men Mis ent ce au 1 4 5 THE RESIDENCE OF THE STATE OF THE SECOND SECONDS STITE AT THE COLUMN CHECKER FOR THE TOTAL Rivers affe a dult, South first Sivila MITTER TO SECURE WAS AND THE BOTTO WILLIAM AND AND AND

तर (मोनिएक) बार्गिएन ।। कोन नाड़ी बिक्सिक नाड़ । हैं? जिस्स (करो होएए ।) वीजर इन्हें भयन कर । इस्से हैं कि कर ।। खनिएय 'कहिएह हैं बांधुरी। बरन कि कमान दुन्त गरि। इस्ह निरोह बिक्टिएह । एक कर्भ सम्बद्ध कि हैं।। दुनि ना देस भानिश्रहन । खंदिन एक कर शहन ।। कहिएह शीख है भागतन । ना होते सरश कर नदमं ।।

> উন্মান্ত্ৰী মন্ত্ৰিণুক্ত বছৰাৰ প্ৰদান ক এচন ক্তা। কাৰিণ্ডী বিভিন্ত । প্ৰচল আছে ;

मानक ट्रियमनात व्यव क्षा रेफ वृष्ट्य भागात स्थानक स्थापन व्यवस्थि क्षांवनात्रक क्षांवन व्यवस्थि स्थापन स्थापन क्षांवनात्रक क्षांवनात्रक क्षांवनात्रक स्थापन क्षांवनात्रक स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE ित मणा तरते कविका जार्थन ।। यहाशाँख करते किरण अधित लेकी रिक् एक निर्देश दिक्क कार्य नार्टी राजधारिक क्यायनित लगा PALS : A BRICE COLD MICE MICE WATER . THE OF मार्च देन के तकते । श्री बढ़ निर्माणी कहें हेंद्रपाद करने हैं . इ.पूरं होते जी ि नन भवरमा है तिया प्रथमि अंग अपनीता चरकारमा हिटान ं कडन बदन वित्य कर कर कर माने अपने विद्या ं र अनुका अविद्राह । इट्ड अवदे मन्द्रम प्यवदे श्रीद्री है।। उटन उन्ह भाग अमन छाराने इस्ताहर स्थानन भूगरक नगर में का वन काव श्राद्ध केर्न क्षेत्रक केर्न थापि नमावन देशकि देशकि है किया है देशक है देश नर्क ान दरन प्रकार के कि बाद्रान्द्र न का का कार्य THE PERSON NAMED IN THE PERSON OF THE PERSON ifar pfile : ere en geft fine eine ein git man · in fac see it med mener mit fie bei fan it benede VIN PLATIFICATION ACT STREET

रमन हत्न इ ने स क्षांत्र क्यांत क्यांत मानावया AND EVENTORS IN THE SECOND STATE OF THE SECOND THE RESIDENCE OF THE PROPERTY MEN THE TREMENT AND THE REAL PROPERTY OF THE BRIGHT E STRU CHAPTE CHAPTER PR | DERVELL BOTTO THE PERSON OF THE WARRY OF THE PERSON THE PERSON NAMED IN THE PARTY OF THE PARTY. क्यों कर विकास वाने हिन्दा राज्य के के के के किए हैं। कारते। त्रवंतीन केन्स्र महत्त्रके हे कार्यक वन त्राहर Sand County entre in Chiefe wagen of a wife der set affene ein vie ein mehre best mit e until The state of the s A LANGUAGE TO THE PROPERTY AND A THE विशासिक रहे हैं। इस किया के किया में किया में

WHITE THE PERSON OF THE PERSON जारत, विकास करत खामारह, शब्दाक्त कि स्वर्के वित्रविकात, किएउ किए वानीयन, भन्नमान का किलाक। राग काम मर का एक, गृब हान बक्सक, काल बाल महि जात काल सबदाउ ११ काछ, श्री कृत अस्ति। , बन्दा व करें प्राचीक । सिक् त्व अहेतात, रुव कि मा भारत सामि, चार किलान माम विवस्त । अहे मा क्था वर्षा, पूषि वृत्रास्य सकत्व, क्रांनिहात करांगा माधन । एकि वृ राकामुकि, मान बाट्य कर छ कि बहुन के कि निर्म के अपने ।। स ल्यानगरि, अ श्रीवन कर्रजूदि, स्तर लाग क्रोन्सकर क्लाव, सम्बामा भून सा, कार्य साछ अन्तर्गता । ज्योत्र स्वत मर्ट्य स्थानि जातीक्ष्याः क्रमाहत् भेनेत्व कृता । सम्हेक्स कृति स् म निर्मात अनिति, जार्म संस्था है विक्र के मार्थिक में र कारत वडीवुकी, नामा आमा मारत चेटके असाग विविद्य ारव, प्रक्रिका दावी बार्क, शिन पेठ के बिराय पर दा है भी एके RICH MEE, CALL BY THATS & SITE HIS SITE HERE मोदन विस्थान, क्षा नहन सामाध्याने, आह शत नुबह तक के भ नोज करते। अक्रमण हात त्वनः शहनाच नाट्य बार्ट् क्र त्तरबार प्रावे हिन, जाना साथ रूप दश, १७४४ वर जनक स्था न कर बहि बाक, कर चंद्रार करानी, जानांत किया जान कर म्ब (म केवना कृति क्रिकाकाकाकाना विकि स्थाना कर्न हरावास TE PIREMENT APPROPRIES AND ACTOR OF THE PROPERTY TO A PROPERTY AND ACTOR OF THE PROPERTY OF TH Told faute fatte Die Giel fen folgt in este frami कु जावना, बाहि कांच्र बाजाबना, बागावा कि दस्ति कांच्र के भ वरन, क्वन प्रकार काल माहिलाई विदेश के रिवर्

Historica (as famili

कार किरम्बार भारताचा रहें, रिशासिक सारी सम् विकास कारता केनम, बिहायता दिया कर, शोरत धना राज्यकार्वा

कार कि वाकार वाकार किया पूरी का । पित त्यांटन मिनारवांटन द्वात तालाह । मीतम स्वित्व काता विजयनावान । भनन छे उप मन स्वास्त्र । उल्लेख किनार देखारी ज्वान । उपाध्ती (मा शिक्षकी जीवरन विकास की केटलानी पता एंट नेमरन । मितरन नार ताला देशन के के विकास रहे हैं के के देशन देशन देशन देश देश करते अपन क्षितान क्रांति (जडाता वसके । बाकांत्र समारक समारक परण १३ The grade with the lines was a stanton and the THE THE PROPERTY OF THE PARTY O के कार्य प्रक्रिक ग्रम्म । यह विश्वतिकेश अस्य द्यानस्थन COLOR DE MICHIGANICA MONTRAL DE SEL CANALA LANGE TO MANISON OF STREET OF STREET अ शास्त्रास्त्रक कर्ण तक केंग्रंटरण प्रति । व्यक्तिकेन्द्रमाण वृद्धिना LASE DATALL MEMORY AS A PRINCIPLE AND A PRINCIPLE OF THE दिस्य अरमका अन्य बात कड़ीक राम प्रमानहीं में बोड़ारन धर्म TO THE SERVICE OF THE PARTY OF THE RES AND THAT HER THE STATE OF THE Colombial Contagn Contagn Colombia THE PROPERTY OF STREET AND AND AND THE

New Application

रभन बीवुरोत विशा जिला के बाको देखानक अस्त अभिनो विश्वके । जान कहा ।

कृतियो त्रिक मन का प्रापक मान प्रकारक विकि कामि केनम एकेन विक्या किन के के क्यांत्री के क्या कामितियो, केन्द्रकारक को का विकास कारत ॥

THE THEFT

क्वान्त्रकी स्था कि क्याना मार्थाकर व लाक अन्य कि निहार । द्वानी का करवानक कारण । याकरा वृत् कराछ ।। वन्तिक दिन क्षेत्र कृतिक वा कार्यास किया नृतिद्वान जक्त कारन द्वाता किया जिल्ला ने नाम कार के विके हरना ह नाविधि मेला मेला है। क्यांनिक दक्ष विभी कर से कि में दर नावि वृति भवन । काम निकास स्थित १३० । काम प्रशासका ज (1114) 31 mes as There was 11 Tille Stiffs #12 काका अविरक्ष कोक देकार करता. बनी का का एका नीर्व प्रतिकार किया के अवस्था को लिए इ स्वित्त कुरियन । जनग CAT ALLA RESIDENTIAL PRINTS (BELLE CATE OF AT CHE WITH SHEET STEET SAME SAME SPICE HATE वन्त्र । विशाद प्रकृष्टिन देखा प्राचित्र पुरवण्ड वानि होत THE THE RESERVE OF THE PARTY OF चानि चवार प्रकृतिक स्वयंत्रास्य नेपाय क्रिक क्र बाहेशाउँ। या विकास । अपने कार्य (क्षेत्र कर में) विकास कर कार्य । THE PARTY AND DESCRIPTIONS OF THE PARTY. STAR WITH CHISTING START (TO STATE) SANSA CTIMITAL STREET

प्रसम्बद्धाः

कि पूर्व नारह शिष्ठ ॥ जाना आवि कश्नाम निमायः प्रकृतिकोष । जिल्हे सक्षरण कहिल जाना । त्यांनी ठिनिन निक्षिताम । जिल्हा वृद्धम् असः निक्षित । निभा ० इत्य १८४

माधूतीत निश्वित खींबाहाहेंक, समूत ७ नगवन कर कर्न

विभिन्ने। क्षेत्रकासका, क्षेत्रको विश्वभूका, क्षित्रक बान गृटव । कि अमील, धानिसन्ध्रमीय, बहुता कारात्र क्लिश के स्था नि व्यक्त । बन देवलकार्या, दक क्रिक्त केश्वल । माधुकी समादय, नगराम किंगतीय प्रथम ।। मकलान करणा, महेलाहम ४०,८मा, का ४० १० है। कक्कोन श्राम भारपंद्रम मानाय, राष्ट्रम कक्काम वरण निका लुक किणाइक, कर लांब किक्कि गाँड। किंति कुछ रूंक, रूपा शांभ (बार्माणां भी दुवि । बध्यें हिं यांगु ही, वह दस मासूनी कुलि विदेश । भूका स्थे क्रांत्र भूकिर । भक्तत, तम् दह नवम करि । आन क क्रम, क्राइटबार्ण नव, ८ टा एन व नवम । मा क्रिका भारत्या, हा ह क्षा का का रामक। नहीं नरश का के का कि दिन्दे के सा करियाता । र प्रश्न पात. नथी क्रंपानाश, रवासी विवादमारमा के अंदर्भ , पा - का लहती मा हरेश आक्रीका अहकूल मना, त medera ijo'd's i 's'nia mine, Grimmun, nith ivi िमिनेन, 'त्यंविन खनान, लाग्रक बक्कान ।। बास कि कान क्षिक कीर्या, यांत्र की नामारामानु क्षानामानिक क्षान वर्गाः - । कित नुका कर्मन लोका कार्या कार्ये के लिए तरहे. "" क्षक । प्राक्तिक मक्षको, विका वार्किक, ब्राह्मिक व्यालक प्रकार है । कृषि रेहारकात, चितित वीमाधात विश्वासय मादक, अक. र रोक्तरण करणांत्र ८ वर्षेत्र स्व देशकृषि, कि रेकाल त्योवरी, राजा हर विश्वासय करणांत्र ८ वर्षेत्र स्व देशकृषि, क्रिकाकेकि माधुरी व क्षिण छ, यक्षकार्ति अमीर्तन । त्य क्ष्म कृषका, त्यनाट क्षित्रीको श्रीमा कृष भारक, बृश्यामा निरंग.

বোণাং শে বিয়োধিত। অভি জা কাজৰ কাৰ্যকৰ, জোগে জা লোহিত ॥ বৃক্তি কারি মধ্যে, ৪র এক জবে, লাগৈ ভুলা কালে নিজ্ঞ চর চার, কুপাল পোচার, প্রাথার বিষয়পা। দেব বিষয়ে, ত্রধের তরত, গম্পতির বাজিল। বৃহত্ত বিষয়ে ইতিয়াসন্থ, বর্ষেত্র প্রাঞ্জিল।

क्वां कि कर् के नवम्दक कुछ से बीध्र व न्या किना

त्यांकृती इस। दश्या हर्ज्यू अभिकृतः अभवत अभा त्यंन वर्ष भागवण प्रक्रित प्रकृतियः। ध्यमानं त्यमस्य प्रथानियम् स्वर्गानियम् हेम्स् इस् काकि ज्योग कहि शाम दिसी है है के भी हा आपात अर्थ आम कि . ७%:इ। स्वाहिती भागिती सम्बाद्धांको अला ए - उत्र म अनि इय हरेती मध्य यथा समजलामा। अकारकार जामाहेन या कहिल मरीलाय है व्यम केमामुकी मानुकीएक किया अध्या अध्या अध्या अध्या अध्या केम तर कारका। व्यक्तिक बारिया व्यक्ति। सूर्य क्य व्यक्ति। सुब्र क्य तिराम काम कार बनी हिस्स गानि मृत्य शकी अवि गाउ रहा । वंक जनाक एक किर्तिक किरादम (दरकाम में पाल-श्रेत केंट श्रेत करका के विश्वकरको संबद्धिकहिरम अमा जामाह सामा करमा हरना The the sale and the sale of the factor factor STATE IN APPLICATION (SEE SHOW SEE SEED) TO THE जतान वर्ताक के दिनार क्यार के छिएत । कि मन्त्र के बिर्टन तक क्षेत्र स्व विकास अवस्थातिक व्यक्तिस स्वीतः विकास विकास विकास ध्यत वित्व दक्क विति बहिन। दा बहरन क्परेन क धरनाम की ं । नार्वाद करके का में लेख कि व कीवरन । प्रवृत्ति । धारतीय IN MAN WARTE BRIME AL AUIC ALE AMILE STER A SAR FER CONSTRUCT & ME FER MITTEL The little management and the IN A SECRET TO WHATE di mangana ang panganang panganang panganang panganang panganang panganang panganang panganang panganang pangan

विकास करवाने क्षित्रेकां गरेश।

क्षित्रेकां करवाने क्षित्र वक्षणकार प्रवर।

क्षित्रेकां किविति । काण काका।

क्षित्रेकां किविति । किविति । क्षित्रेकां काकानार । किविति । क्षित्रेकां काकानार । क्षित्रेकां काकानार । क्षित्र कृत्य

हरत रहत छेराहनून विक करत ॥

नेशाहा बापूरीरक क्रेमांद्री श्रीत गरम बाहा मुलडी खनरेंद्र हर कि जिलाय में जाने जिला है की बहरनत कीरत। कर न्यारेटक वी वीचा-बिम्बीट्स । रहशांत्र छक्त नाम करन किन्छ । समह भारती के लिक्ट अरव । गरमांक दोनिएक क्रिकेट किरोक्ट कराने । रक स्ति। वृद्ध में मिश्र वानी त्यान् ॥ व्यानी क्षा प्रकृति । विष्य क्षा प्रकृति । विषय विकास िविकवित्व विनि स्टब्स् उद्गुप्ता ॥ अवस्त्रक स्टिक्शक ि क काजरहा आहे। कि भागाल मन रावित्र कराई। के काउ दिक्कात हरके राष्ट्र। नरन कुलनारी दिखा और काणिन स्वतान कोका मुत्रकी राज कर्नामा अन्ति। बार्रेशक शास्त्रक मास पा क्षि वहि । एका कार इन कड़ा किनि जुड़ा विविध प्राप्त करन रथ कुरावा मुक्डिन । पहिले करव पत मार्ची को रेसी के निन बगत, करा बोहरन ॥ चार बनी यान वही व सह संगति। (मह सा जित्र पूर्व गर्छा श्रीम ॥ अभव विद्यास विवि देवन नगाउप विकारि होरत तम् अस्मान्य वर्गे । क्लान विनित्र कृति त्र प बीक्क । बोलीन क्लिन राम। कामह क्लिक में कार बड़ मनिया कि अवस्थानि । क मानांक रास्त्र कार्य अरह अरहानि ।। में बंदर त्यान वर्गाकान केता। बेराबार दराह चाहि वि Division and an agricus in an ag DOWN THIS ARMS THE STREET PROPERTY OF THE

भूरत विशा जैनानका जारक त्रिक्ष निष्य कार्य कार्

रगोगीच्य उक्रतालयम् ब्राह्म जलाम नहता मार्च ख

भना क्षा । रिका का वस्ता मन्द्रमा मानामा भनाता य र इक हे स्वेटकन। च बन्हलान किन्द्र उक्त नाम डीक्नेचीय ताब जिल्ला, तोकेशीक लाज जिला क्यांडाकी प्रकारण महाने विकास अरथ बक्क कार्टिश मनदान्त्रन १५, (र्यान) जाटम विकास क को फर्गा नक कोचा को नगा। युन्तन स्टन्ट्रांचा व स्ट्रि त्र, गर्ड गर्ड मरहरूखंद हीतक मानिका अने हक निर्मित । ज्यार ारन जैसे कार्यनीय, उद्देशीर करि गृष्ट्य रंगन लिकिन, उद्दर्शी भविके नामाक सामा, शब्द जानि विकाशक क जाता, जातिक वर्ग ा अपू भूगता, रमामता, त्रवन, ध्रामा, त्रवाचन गर्न, क्या ंशिय, लागर, विद्यापिक, कशान, नाशांतर कार भरशांक क्रम विक, क्षीवानिक आदिक, त्याल, श्र किकाला अपनेती नर्द गातक। विभिन्न नाम अधानक केरियो सक्रम व्हानान्द्रीय स ार्श्वनारा त्रामान मुख्य जीवनाक श्रीवनाका सामी का नाविक श्रीका कहा, नावक कांक अकार कांक निवक नुवान नाह THE THE PERSON NAMED IN COLUMN TO THE OWNER. TIVE STATE OF STATE STATE OF S

व करें तरित करिया जूनार जानिएकाइ, त्वांव छोटव मध-विकास मामाना । दना भूग के बड़ लोड मुख करिया नवरगड़ बा रहा नावा के त्यांन शाम ना रकता वृत्तारा दाए तानिनी कींन भाग गुरू में के अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति । वस्त्र गार अस् नेत्रकात भारत्वक कर्मक श्रांत बारत महिन्द शासल मार्क्स क्रिश्न इर्रव क्रूरकात कविरस्टा बहुत मन्त्र रक्षात्र महरूत त्विक इंडरमंक शक्ति करिन। अख्येषु मक्त वाणि अम्हला महीलि क्र नगरम कार्यक्षारक निशीकन केविटमन ।

नुकार्गाक्षक कर्नुक क्षारकक निवस्त

अरमान कीर्य करने। व्यक्ति उसके नश्चातकक महरक मुख्य (जानी নাবস্থাত কুপতির সভাক করিলেক। কিন্তু সহ সভাস্থান বেতি: मिन वर्गान वासाम्बन । पनि कारत की वनगरियका वर्ग THE PARTY OF THE WAY CARE VALUE AND A FEB TO THE के लोकेटच र क्यांच्छ। शक् के बान्ध्या देवाने वहेंगा ८० ी-वियुक्त हरेश। गाथन अन हरेल र किस्सी विश्व हे उसके छ। है। उन मुख्य करिनम स अगाक मिलन द ब कि करण मा १९ व CRITICITY COMMINGEN STORES THE PERSON NAMED OF THE OWNER, WHEN THE PARTY OF हो। कामना सम्बद्धाः अ। काशनतात नेमको करनात्त्र नामार the water this offices to start Management was ut ENTRE SECRETA SE STA SEMINA PROMES Printegen von mit ber frank benenn efferen ein merte ellete se storte eller et . Man de Skup et Bir Skup et Bir Skup

ভৰ্দনাক্ষত। ও ছয়াৰা পাৰ্থ ভগ্ৰামী ভোষাৰ নাম্ম কৈ আ क्रम क्रिक्तकरत थेवानिक रह महत्त्वाती। लक्क व्यक्तिविक्त अ उत्र स्टेम नतान अराज अराम गठम, मखीममाराज कृत नी कार खर्म राशिय कान चार्डि संस्थान जनामाध्य समहत्त्वन का का अस्तिकार যোগিত প্রতি অফিরা ক্ষি করিভেছেন, পুণি যোগী ! ভূতকাব জার্গ ननारिक क्षांच क्राक्षणक्षि। देवा स्रोतपा परिवर्षि क्रिएउ। इन स ुष्टमात मनामिक जेल्लाच्याच यात्र कहित्तम। अधित काहम भूक श्रुक्तिमन्त्रारम कनिजनशंदन जिल्लापूनन नारम कर पांचू गांच करत उक्त नवामरवह क्याद्ध अवसी मुभवी उदर्ग प्रमास वर्ग मर्गाद होए हर का, लाब करि एकता बीएक सवान हरेश करताकान रिकारिस তার বারাতে রদ, এতাদুশ রপনতী ব্রতীতে এবাজিনী বংলে রাখির প্রবাদে ব্যশিকা ক্রিডে খনন নাঞ্ : একেন্দ্রক নন্যাসী ভিকাকার नाषुत वस्थि रिक्ष आणिया किकार सिर्देश करें बाका राष्ट्र कहार छ ना प्रश्र उणि जिला काविया महाः पीत्र प्रवादुशाः ज निर्वादः विविध जिका थांश्र मांत्र नेमन करहे बरुतित ऋरखी एउ १००१ । असी पूर्व कींत्र निरंत्रन, बरल माधु कृषि कहेकात्र ता शृष्टिकिना अनान कतियो लाहा प्याक्ष अधिक अहलकता भाउक क्ष अभागीत करेंगोका खरान एक स्टेंगा नाषु कहिरनम बार आपमारम जाननि हिन्दि एकम्, कार्य क्ष्में जिल्ला कमा थांकि बारव करेन करिए । आंध क्लिशहमारम क्लाम क जारा स्टेटल (ब्लोह स्टेरनक महत्यम जिल हरेरण नाटन किलान नार्य निताल अहिरदेन, अनाभी करह अन्य छिन्त परिट्र छ्यानरत बीन पतिरत केलामा महि। नमानत करह आशिन कम्पाप धानित्तम वर्ष मंदकनारतात अर्थात क्षेत्र कृत्य ठारि, जमाभी श्रीकार कृतिक विकार निकरार कृ ानी इंदरमन, मानू नकान्यात्राक वाविद्रका हिनते।'' करना दग्रास्त्री न्या नापुकार्या कुनूमकरकोक विकेष किस्सी केनसात नाय स्केता पूर्व भारतिक त्र कार्य वस्त्रीका विश्व वश्यक्त प्रक्रिक विकेष in are Gan difficultungen macht po eta se mei

ही हाटक निमन हरेरतन। अद्येषक किन्न मन्त्री स शहर शाकिना हिका अमें किने जाही गरेको सम्मोद्धर व श्रीता। भरत शामा गडापि द्भा नुसके मुखानिका कविया छेलम मछकी बहेगा बदारन मार् ४:-शांखरंत अगृर दिल दी अब्देश सालन छागा ७ नना मित प्रदिएक । बाब हरेबा बटन कांबर। अग्रेज मरखानी धार्मिक मन्नामी जलकरें 'र वी ठटक खान मृष्टि इव नारे, बजरिन क्लाद्य खन्मधित नाम धन शीक सात्रन कतियां छोड़ा किरमेत छेरामरण गमन कतिया। किसमृद्रारमम क क्रमेशूरन जुलनाय मनामीरक जाकनाम मुखे हहेन, अपा-भूमाबिक राउदांक विज्ञालन क्लमंक्रमा ज्लामाश्वि जिल्लाहिल १६ की उद्भारत हो विनी जान यामाटल पुरुवान जाकरशादल दक ত্ত্ব উত্তোলন করিবেল, জ প্রতারাজ্যণিত এব টা গহবৰ দেখিল क्षेत्र के श्रीवात नक एक इंडिन, उरकरन कुठमांय कामानि नद ि अनुभाषक किटलाई के विवश्याति है कियु का कहिए तम । टाइन्ट जा का मित्त मगरू वर्देश धर्मिमित्त्रह धमानवृत्त्रं कहिला जर्देश जारेन. मुक्ददर नक्तत मरधा अस्तरिक देशिन। मेगामी मिहेमक कार्य-जिल आरश्च कवित, उन्दर्ध गांधु नेवकांमा कवित्रा नंगन कवित छ ब्रिकाटमं अक भुभावपृष्ट् इंद्रांतम छ्याप्र के द्रापुत्र कवळ न छ्योरदः। क्रिया ग्रा क्रिएडिश, छन्नग्रह बृहिशां क्रियांट निका क्षेत्र मन, अवर पृत्कात जान जन वहन मित्रा वाशन छेन-वि कहिन गरेका छानकम हरेता बाउन कि ने बढ़ी करिन चा-क चामी महानंद नृतर्हि कर देख निकर है पका स्थान परिवार हम, ছার বোচনে বোচনর্জতে হীয়তা হইরা যুক্ত কম্ম হইল ইছা ভনি পানেই নহিতেছে হে প্রীপতি। অধ্য ক্রানিনানের পাণি পতিতা-देश नुका एक देहेबार है, से महि बहुन कर बालाने नांच भार विकाय नाबारकारम प्रमास प्रशासिक आहि । अरे लोका व्यव गाउ अवस्थि मात्र माध्र मक्ष कार्य सर्वा कहिरतन। मात्र ligen wert win weren eine eine einen einen, Pff

म एक ए रहाटन में हिनाई बाइन कि में क्रीश तकने कि कि कि है है। धोगावंद्धा नमाक मर्च क्रिक नाताई देखाएक निकालने के दिल स्नाक। आएमी अर्थ के नहानी हिंदीएस वेमकामिनी। स्काद पूर्वनालमा हिंदीएस वेमकामिनी।

জাসার্থঃ। প্রার। এসমে বিশাসি প্রশিলাম ব্রহ্মগ্রী। বেতে প্রতাম করিলেক নারী। ভূতীবেতে ভূতনাথ চৌব জা কারী। সৌর রাধি সারু বধ কি রাঞ্চিতারি ।

व्यवगाल वाक्षिक हरेग्रा कुंगाथ काहर का म कुंगायत गार मूरणा विचान हम। गांधु काह महाजाक व्यक्ति विचार जान कुंगा का निकार वार्य का निकार वार्य का निकार वार्य का निकार का निकार

त्यांनी डेडिंग व्यक्ति।

मीतक्षरवासी हतिनयश्रमी उतिका काश्रमी उत्रवेशांनियी। विक्र मा बुवेखी बाहरमा सुत्रकि किः यान देवताना किः वाकामि क्युंका।

व्यगार्वकः दम्बोह स्वयद् १ कृतक त्नाहनी। व्यक्तिय इस्तिस्य पत्नाम नगनी ॥ स्वयः दक्ष्मा मोही द्वित्वाम करहा दम विदे या रक्ष दिश्लामानि कर्मा ক্ষিত্ৰ নাৰ্য ক্ষিত্ৰ ক্ষীপতি নও মৌলিতে রছেন এক সভাসন ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰেছেন, কে বোলিনর। তুনি বথাৰ্থ আৰু পহিচয় ক্ষীকে ক্ষিত্ৰেছে ডোনার চিন্তা কি আছে। জনন্তর সদন ডেছে বং ক্ষার নদন্তে হতে তং কৃথা ভিন্ন অন্য অসুস্পায়নপু বিলি পুনর্কার বোগী প্লোক ক্ষিত্ৰেছেন।

লোক। অর্থনেত্রপা মং প্রতি বিরূপা পরেতে কি করে অপরের কুপা না হলো। প্রিয়নী পতির প্রায়াসি ডাজির জীবন জীবনেতে পশি।।

্জিসাবিঃ। পদার। বনিতাবিদ্ধপাক্ষে ঘটে যে বজ্ঞা। অপর বিলে দলা তাহাতো মুচেনা।। পড়ি প্রেম প্রয়াস লাহর রমণীর। ক্ষুত্র তাজিব প্রাণ প্রবেশিয়ে নীর।।

ৰূপতি অক্সভার রম গণ। বর্ণান ক্রোগে প্রচন্ধার্ক জাগ কিজার ভি অক্সভা করেন। এই বোগিনী নহ তথা পাষণ্ড বোগী দমতে ৰক পথক কায়াগানে করাংজিতে শুমলা নজে রাখ মরপানা-বলৈ নগরপাল অভি এক কারাগারত্ব করিলেক ভ্রমণীক্রতে মাধু-ক্রম্বা

> ্ৰসংজ্ঞাপতে সাধুৱীৰ নিৱন বস্ত্ৰণাই আক্ষেপ। কালিণী হাঁচাৰ। ভাল ভেক্ট।

कि वहेन वमा है जिन्हा, कात्रमंत्र विकित महता समरम। काश्विम कृष्ट्रा, कावर्त स्त्राम क्रम, मधूल वासारम मुक्ता, काक रमात्र मनम नम, काश्वर समात्र मन, मनमा वास्त्र समा गम, मन महत्र।

लकातः (रुमण्डतः जात्रकारमः नमसः केषतः। क्षृत्राकः रेममः मर कानीर्भ मञ्जूषः। उत्तर्भ उत्तर्भ शक्षत्र मुस्माकिकः उद्दर्शस्य मनि शृष्य कान्य शक्तिकः।। उत्तरं स्ट्रह्म महास्माक्षकः सन्धः मनि शिवद्यः। सूर्याः किन्ने क्षित्रोत्र मन्यः। दिक्ष कृत्यः कार्यः विष्णः कार्यः स्टिक्तः। सा

AVANGES

पुत्री मोबटन आएक मांधन मोधन ।। आरत्य शिक्षतमे कर्णा शहर विनी भरनाष्ट्रश्रद हरक लाख कुई ॥ दत्य कुरन अरंग कुरने एक में बात्। अ मधु बक्त विरुष्ट्य कां उटल खकाता। उटन टाकी कृष्टिन उद कशादम आध्य । धीतथ विश्वि कर्दन विश्वि हेरेटवा विश्वत । वदवाना नर्दे हाना वन कठ नंदव । सन्दर्भ सन्ते प्राप्ति नार्ने इटका मटक ॥ छोडकी ार्यम रहि कविएक खंडांत । कवित गाउक पिरत भावक विशंव हिं ाति व्याप बांच श्रीपमारम् क्यां सिंदः रतित्व । विटा निर्मात प्रमान अमिना। अवता रहेटच असी वहांत्र मृहिका। १८८४ अंतिपुट। उटहे ें र तृष्टिका ॥ जुला कक्षि दशका नांदर करता उन्हां केवी । अलक है के १५८म भारक् मरत्र विस्तामितीको अञ्चलको छ मानुसी अध्यक मानुसी ोहर । अभि कूटन रहव नवे। बटनिशियद थेएए । देन एक वर्षु सर्दर्भ ं ी डेंडिन समिन । मन क्लांश क्रिल हू अच्छान अनेमिन ॥ महहती ं पर भी प्रति महलाय। देवन नग किया कि एउटवह साखि लाहे ।। हे जिल लाटक धनी श्रेका एका लग्न काल्यहा हेलेकी हा कार्यास अराज्य । लेकि क्यार्थिका स्था शानरम शुक्ता कांत्र । विश्वही जाने कांत्री िए: १ **वर्षा संस्थित ।। जनका व्यर्**ष सहा नावस सामे । किन्नुसामी ^{হাত্ৰ} বা মোৰে কুলিতে কুৰামী। লে ধ্য এখন কল্<mark>ড লৌকের ভুঞ্চ</mark> দী "" या मानिका सके करत शक्क बरम ।। अधि कह अजीरह छै ात । भीर**व काल महाकावकान्छ। भग** उपल ११-

श्रृकारक माध्ये कर्ष् असमी द्रांछ।

লোল ভোটকুৰ্ক। নমতে জন্মাতৰ নিজাইনি। প্ৰাণ্যত ত ভলভকাতিনি দ্বাস্থ্যতালিকে নোমেন্দ্ৰ-মোটনি। নিজক ত নিজাবহাতিনি দ্বাস্থানকলৈতা যা গৌলিমানিনি কি-মাৰা বাৰ্ত্ত লালিকিও জ্বাতে লালিকে অলিতা মাণিনি কি-মানিকিংস্কান মালিকিও স্বাস্থ্য লাগতে কৰে নিজা বিনালিক জন্মত নালিকিও স্বাস্থ্য লাগতে কৰে নিজা বিনালিক জন্মত নালিকিও স্বাস্থ্য লাগতে কৰে নিজা

यगममाधुती।

निराचिति हो नीप्रवेशको ॥ जिल्लि नागक अध्य वा प्रकृति । असम श्रीकत स्वयं ना कामि॥

" माधुशीत ध्वि कानी ननम् रहेमा करहर ।

किलमी। खदर जुकी श्रम माना, बदन छन खरणा द्वाचा, छर शा क्रक हरद पता। उ भाषुती भू:६ रान्ड, कि क्रक देखा। हत, शाद का बरेखना कांछता । उपरावाटका देवका प्रक्रि, मूटन छलिल मार्की, मान दिन्द छाटर कानीनम । बदन मधा कति निध्यः भाक विकृष्क नामिटवः क्रिया **सम्दर्भ अन्तिम । अन्त**ात्रव अस्त्राटक, प्रास्तित गर्शनिक कट्स, नटक मरी। निर्टा किक्द्री। दिशांत्र विक मिनाह, मनन इत्वक व्यक्तित साम्र मध्य कटर (जन कित । क्रिंग (यात्र जित्त्र्र), क आम क्षा करना भूने, अधि अत उनलान शाला विकारात तरा वास तरमा भून, अध कार जीव गुन, त्यान विधिकाराके पृत्राच्या। गरी माना (व जाना-कि एका करत किलान, सामा पुनि त्या न्या मह आता। क्रेट प्र नामा क क्षान, कुरारका करेब लेबान, लागुड ध्यनान नेराधात्र ।। विकासिक न विकासको मामन अलिक, करिनाम कूल्य गमन। एसका करित 👉 क्षेत्री, एश कुरूटा लगानि, किंश नम रहेन नमन ॥ देव " केला, मुक्ता शहन मल्ला, कहि लाइ क्ला का मरण। सब अवर क क्षा क्षा विश्व निष्य माल माल निष्य कार्य । इत्य १ वर्ष कारीकी व्यक्तिक मन नाचि, बाह नानि राम जीम वात्म। १२ी, बखदारब, पत्रा नाहे बखकारब, बखदाइ नाहि छानवारम ।। वा शह कार बाहिनी, भूरवह अधिकाडिनी, खानां त्रांग त्रांव दावहाद्धः उत्तर सिक्टिय धर्ता, व विकास कान शाहा, जामा मुची जामाय खशाहत ॥ भर विकास बाब, अन बा नेरह गुराय, एव नह मानन नाउकी। यु'" कालीक बनी काट्य हैश नाहि जानि, नाही हात कोरनमाठर कार्य कहि विरम्दन, तन कार्याविदेश कार्या हो करियान करान भाग भाग क्षा नहीं बना, अन्तारि कार किकात अवाद्य जेहार वर THE STATE WELL STATE THE TANK THE TANK

-बारवास्त्री

ব্যন কর্তৃক পিনেক স্থাতি। রামিনী বিধিষ্ট । তাল শাস্তান

रायरक द्वार्थ लांबरक कृषा कृति जात हत। ब रहह हरेस माह निष्क छ गटक निष्कात। जाति रह शिक्क निर्णाम, कृति एक् छ क्षिण्डम, खिक्कि हत्य मन्त्राप्त मक्षां छम। स्मारत जाता।

उ९भार ममाक्टर एडि।

(महिषाम नकत महार कन्ना नाजन जानका जानका । का दे हर क्षेत्र क्षेत्रका क्षेत्रक जानान ने ने ए । अस् क्षेत्रका टेनल प्रकृति क्षेत्रका व्यावकार । द्यांत क्षेत्र जानक कर्मा स्व जिल्ला मचत्रकार ॥ जिल्लाम एवी जिल्लाम जान कार्यका ने व्यावका स्व स्वीवृक्ष कार्यका । वस् मानका उन्न किल्ला । के क्ला जाम साम सामका किलामपृष्टि कर अवना । विकास तस्य चैमानका

श्रीतः। नव्यमेत स्टब्स्यम्बर्धाक्तक म्थानकः। देवनश्रीवादक वेद्यस्य । द्वार करमञ्जा कि उम्र क्वानाक स्ति एक सम्बद्धिः कर्मा कर्मस्य प्राच स्टेट्स निक्कः। दक्षनामा स्व स्ति स्वास्थ्य स्वयदके स्वास्थ्य नार्यका विकास स्वयस्थित स्वयस्थ्य स्वयस्थ्य

part application of the part of व विकार कार्यन केंद्रवानी । उचनोर्ड हाक्य गर्नाटक वातात्र। कतकत्र स्टिन्नि स्नान द्वारात्र ॥ उटत पूर महीनान कारी कतिरक। कोज स्ति शक्केंद्र किक्ट व धन्तिक।। का रश्तीत क्षेत्र हेक्रा लिएव वस भूरेना । करहे ना खादारत कव वसरवत करका। क क्षीवनावित विक का का का का का विवाद रहा । बहुत वसन घूछ छ ক্ষুত্তর হাতে পঞ্চত হারাইবে ৷ বিক্তি কর্তুক নূপ সন্ধুলে विद्वा निक्राः वाट्य क्लक्शन कूछ मृत्रे स्त्र। खरत छीछ शर पून विकास गर । जीन बद्ध जूनिकांत्र विष्कृष स्टेंग । सामार्क्त शक्ति-कार्त वियोगा प्रतिन ॥ क्यान् राव पूर्ण केवाद काछ कछ। कारनक कन नरबंध्य कामा स्टर्गा ग्रंक ॥ मुख्य मामरक तुम प्रखाय विनिधा मित्र छ-नीक जांक व्यक्तिरङ चारमनिन ॥ कर्म रङानमन्। इहेन राजांक किल्लुन्ने क्रिक शक्त कड़िन नमञ्च ॥ बाक्षा नरम अक सन सहाबाही लीमिन धारांत कडिश देगोरत वश्रक्रण समि। यह खाम मनोहेर विशेषक करा। निरंग जामाइ दश्स ब्राम व्या कुर्व ॥ ब्राम क्षा विक निक न्याना गरम । कर पन उम जिल्ला स्म स्म देमनगरम विमित्र महारा उन गरहक जूराछ। योगीरत माइती शकि देकर প্ৰাৰ্থাপতি। এক পে নভায় যোগী আনহ ৰতনে। ভোষ ভাৱে সবি विषय प्रतास प्रकार । अहे मठ गुलि कहिरक्षम गर्भक्षम । संसामप्रतन । हर केरिन दासन । नवानी सानिएक बाक्षा हिल्लान सनि । किया-न बरण रूटना अ मुनिरि ।।

बांका कांबाबाद द्वानिस विकट विवस

रत्रावदक छेटमान त्राविता व्यावास्माठमाक छेटम नाम क्रिनाक रताचा अधिवाहिलाम कीमृन र कीता भारेनाम अन्त्रकातान करा भीजनाएक रहेनाम । अटर श्रवम ब्याधिवक सामान नवींक कटनवद्रद्रश ৰাপনি অকুজোশ প্ৰকাশ কৰিয়া পৰিত্ৰ ককুন্, এ কুপ্যাপীৰ অংশ-রাধ বর্জন করিয়ং গাড় অভ্যত্ত গলেক জ্বন্য প্রকাশ করেন্ শাভিনয় ভুগেরির বিশ্বতিমূলো মোলিবর মধ্য ৮ চিবর নির্ম্বলস্থকাত क्षिटका हरे । १० १३। दिल कुछकाई स्वास कुरलालि विवेश कर्ताम, बार्टरखरा स्ना रिवि श्रीतित कविद्यालया, ज्यार गीन कल्लन, मुख दि सन्। ভাৰতা সংখ্যাতিত হৃত্তেৰল না, কালে আক্সতি হ' প্ৰত্যাৰ প্ৰত B जिल्लामिश्रास क्रीसाहि के भक्ताम् मर्गण सामग्रीक बहुव मान्द्रण कन्नी काभ लोस रहेन। ভारांड निरद्या हुन्छ तुर्धिकालीम अभिगत्तक्षा रहेन्द्री क्रमक आ छत्र किवारहम, इक्ता अधिक क्रिया के प्राप्त राम है ৰুৱাত চিফ অহাতণ ভাবে নাপ্ৰেল আংছেল, এতাদ্ধ শ্ৰেচ্ উপ্ৰা खारपण् स्क उभावति विवास कप्तत स्वा उन । तेन करा कर कर न ता कर भारते व ছুপ্তি আপন আশ্বল্ধ তাহার পতির কল্বাক সং ভ জড়ি বিক্সচিত্র धनागांभ बिटलन, तमानिनी मह स्मानिक्य निम्क कर्वशा भूगाटक विमन्न क्ट्रेस तिक्का नकामप्र नक्ष नकास वस्त स्वित्सन, उपत्य मुलास्तरन व विविध छेल्लाम वारक्षामाम क्हेरक लाजिक अख्यकरन कुलभूत्वाकिकरम , **व्याना है। जन वर्ष्ट्रां के कूच ब्रेजिल्हाद्व श्रीवना । १५ वर्ष गुर्द्र**न दक्षा कि छात्र। काउम, जिमि कहिरवाम श्रीप्र छे क, श्रुटी का एए अयामा <mark>হইয়া থাকে তথাপি পিতৃদভা কন্সা রীত্ম</mark>ত দাল কৰিলেন, ভুলোহিত वाका अववृत्राहता महत्रक महात्राक हिएक काञ्चामानेहर ने ह सुर्थार्थि ৰেপলিতে লাগিল, জন্মতে দুভাষায়ায় ভট্টকে আলিছা, ^{এন} ফ্লালেমি पूर्णिकित्तेत निमञ्जनिमि भा हाईरलन, द्वार हा आकिए अमिनिक नरहता तासन अरमहमक मछ। निर्मान कृताहरतान. खबरेन दर्गराठीछ, श्राटन श्राटन डेक ब्याक (चेक्क्लीड क्यूंक वर्न उपूरक गरनारंद्र रखा-ज्ल युक्तिकार्थ योगाङ्ग कांब (बाह्न: बाह्र इंडामूय मर्जा मृत्रा कर वा वासर मका का बाहा करिया एक अवाना किएक नाव छूना The state of the s

क स्टब्स म्हल्य नडाक बना त्यांचा जारिन शर किश् देश दक्षितान. बाह लोडा मृत्या किश्व नड रच क्या।

यममगां दुवीय विवास।

রানিণী বৃত্তী। তাল কওয়ানি। কি উদায়ে স্থানত উদয়, চুগত ভাতত স্বভ সংয়। অভিনয় ভাত লাভ এতাৰ বাভিত্তে উভয়।।

(वाशिक करें। जुन व वहमस्त्री।

वश्य द्विनहीं उत्तम नरहाम कुरने, विस्त कार्यक्ष कुरने, विर्हर् वेडनेक्टका रवानित केलको, निरंत रक्ष को, कुछ नकार महत्व ॥ कुनकि कार को कि, वानिक हिन्त कार्य रवानित विकास केलकोठ क्षेत्रीय कित्रा लांक, रहत विकास कार्यकार, निर्द्धांकारी करने दिक्कि कार्यकार तरामां, ठाक रवाजितह राज हुंड कोलान कार्यक की कि। सर्व कार्यकार कर सम्बद्ध के किया प्रक्र निर्माहरूक की कार्य में जिल्ला

(यांत्रीनि कति कश्चम, करे किश्वित इक्स, मजनदक्षत्र स्टि अनित्रा विवाह नार, वांत्र विष्टु कांच और, वांकारमान महिर्दे करर मजिनीउनम, जूनारमन ठाका भन्न, कारोन्न कि आमें आर्पीक तम्म श्रीत छास्मि वासे, बात समा छीर्वताम, मिन्यामा इतेन मन्त्रीप्र स्था मयात्र वहम, इनस् कक्षितकात्रम, मृत्य वद कृति हरेग। जूनका मचारहांड, मध्य अभिक मध्या भारत, कड़ान्न जान गुढ़ारेन । (**रमानीयत्र तमा, क्रमा यत्रतम् (रमा, मनह अत्य प्राप्त । अ**व्यत गांदा मारक, राक्षि क्लाट अस्ता मारक, उक्तार बंध केंब्रु शहरू 🖣 कामिनी (१८४ वराष्ट्र), राज काड काड राष्ट्र था, माहर्र) पना शुगावर्छ अयम कात्री कमर्श, छात्र (य मानिश मर्श, इम खनाय (भार शक्ति अमल नगर किरह, विविध উधमाइ शहद, शाम नाम शाबिन शुर् ^{शि}षानि य**ं** शुंत्रवाना, तहेरस वत्रन काना, भूरच नरश्च दर्भ करता। 🤠 करत कमानामान, ध्वमन चार्ड निशान, उद्शास इत्र औ-आंशांत ।। स ১ বাংকা বা**লি করে, কে**হ অক্লেভে এছাংব, পূর্ণ মজ চোর **আক্রা** भुष हत्ता अधा शोक, वाशिकाश अनुशाह, करव्य रे कि विताद मभाश भारत, मुगळ्या एड आगात, धेमां तर्व देश करे

> प्रमान साधुहीत वाजात एसन।
> ताशिनी देखानी। जान आजा।
> स्टब्स माथ स्वाधिनी वर्ष कि हिन मा मरन। एत-चान स्वश्व किति कितन स्वतंत्र स्वतंत्र विकास चान स्वश्व किति कितन स्वतंत्र स्वतंत्र विकास विकास स्वतंत्र स्वतंत्र स्वतंत्र स्वतंत्र विकास स्वतं क्षेत्र स्वतंत्र स्वतंत्र।

केम क्यारिक हमा राजद बार आर्थनार एक है। करण प्रकी नमना। कि कर क्षापात काल बाद की मिन्सि महा बाजा सर्वात ॥ इति कास किया प्रश्नात । इति अस्य स्कार कार्यिकात ॥ इत्या बाद क्षाप्त सम्बद्धा स्वात कार्य करण कार्यकात ॥ कर्मकात कार्यकात कर्मकात । क्षापात कर्म नाम स्वात ॥ स्वास्त क्षाप्त कर्मकात स्वत । क्षापात कर्मका

कि किका कहा कारह क्षी रात । यह बस स्मात कृति क्षी वरवास विव एक चक्का नहि। हटकहि मानूरफ्त जूरक क्षे नाक्ष कति इत धनादाधन। या नाधन वटन भारे हाताधन॥ मिकित वस्तन करत करत दियमें में मीन कांक्तान दिम करत । विकि ता गरेख मुख्य द गरम । अध्यय वृक्ति माहि द्रमभम ॥ अदिधि कतिरम श्रिममग्रन विधुक्तम काल विधुव छेमग्रत। वस दि खांत कारत करका-हो दिंतिया दिया स चारत जामित्यो।। यमग तम नक्षे भागी दिन वि। कति कवक काटन काल मंत्रकात माधुरी कथ । कशक छ-किति निका क बकेत्स नन्ता पून भग शीकीरक मुहास्तव मा हम ८ ध्यमाम् इति । इस अनम्। नृश्यम्भन वटन अन मोधुती (अनः) 🖥 কার্যের ক্রান্সালিক শক্তিয়া তাং আছে এর্ছ করে কার্যাগায়ের। কুজ-ত হত কুৰাক উপাৰ্চ। ৰাণিকে এছ কেবিবী ছাহাছ। কিনে ক্রাত্রমন গ্রাম হৃদ্ধি হয় আৰু জালিতে নালিত। নল্পতী প্রিয়ের কে জাগিছে। ক্লামা বলে কলিছে পাত্র করা। অগিনা, অন-हा कि जारह रण । तमकारक अजैरक सारित देखिए । मानीका সিতা হয়ে নাতি যায়। পামি বৰ্জ থাকিতে এ পিঞ্জাৰ। যাৰ কক ब्रोटन कुन कुछन्त । अभागी देवन कुनानाम आक्रमा कक्षमा वामापन क्रि. रब्लान । संविध्य क्रिकेन्द्र इताछ। श्रीमहरूस मन बामस

ं रक्ष्म चां कृतीतं भूगः सामन कृत्येतं । कारमी ममस्माधिकः ।

मक्नमाथुका ।

. क्लीस ध्यमन कतिया मुश्रिक्षकद्रत्य श्रेष्ट्रका हरेना मा, हितागना किर्द् উপৰাদীগণকে সৃষ্ঠিদল পারণ করাইলে যে কল ইলাডেও সেই স্থ হয়। মুলোচনা পতিবাক্য গ্রেবণান্তে সালিশয় ভূমী; হইয়া হোজ্জানর মনাকহাসাক্রিয়া কৌশলা হবেছে উন্তর করিভেডে, মধন গ্রেভিক্তে দুল্ল ভ্রেমা সম্পত্ত ঘটিন ভ্রুন উপনাধান্তে লাইনে ছে প্রাণবল্লভ সুম্বলভি জি গ্রেছে, অফালের জীবন নোবন স্থানের লক্ষ্যা নহা অধুন অধিনী প্রস্তাহিত ক্ষেত্রি ঘটিলার বিবাহ লি চলাল হতেছেল এবি আপ্রাণ্টা জাপনি জীবনের বিভাগে লি চলাল হতেছেল করিয়া ভ্রেমার গ্রেমার গ্রেমার ক্রিড্ডেলা।

न्धारमः क्षित्र व्यवस्थितः नक्षणं स्थलं सान्तः । यद्वा Windows to the fire of the state of the fire of the state क्षिमचोरक , ज्यामा विरम कुनुगान प्राप्त के पित्रकार मिल्हा हाति हाच्या क्रमानिक्ति अकेटक राजिताता व र्वक्रिक क्रिक्त सुरप्रक्रकादरम् (७ कि.स.स.) उनक्षि । आसका करण मा पर कर कुरणक्षि भ दिन्दी करू ना अतिक साथन **स्**राध 👉 पार्ट १ ४८४ टीयुट लोभोस **भ्**ये द्रमंती मार्गहरूत मान्त करिए ए मध्यत् । वस्त्रा १२७१ खान्न । वस कान शाम কৃষি হৈ।ক্ষাণাড়ি পাতি ক্ষামি তব সৈন্য। তব বল্ল কৰি বল ভাগি বছ শূন্য। শধ্রারি শবি দেখাবেলেশ তিমানে । তামক্ষ চালি বিস্ট **মতেই স্কুট্ট কৈ** 🗈 মহামান্ত্রত ক্ষেত্র ক্ষর ন্দ্রনার হয় 👉 👉 টার্টেশ ইনিচলার্ট্র পড़िरव पूर्वाला। भाक्ष गाम्ब माधुरी शक्ति वटकर १ । जूकावारम क यामा वारवज्ञ निर्वाण ॥ ७६६ वज्ञ श्वन्त्र हो । अनुमूर्व । अजिल्ड कर्म कीक करित गर कुर ।। अबह ना मध्येक दवनार हा हरणा । वाटश श्रेष्ठा के कोला नरह भने बरणां।। এত दनि चिक्किया हुए करन करता। सर धनी तमरनए७ हिव्दिश्ति करहा।। अक्षतिकः हत्य स्मय सार्य अस्तर्व क्ष्मान खाबाद्ध बच्च निर्वाक खड़क ॥ दशाव हिनाम स्मार वीमा व्यानीटके १० अध्य क्या श्रेतकारक ब्रोडको छेनोटर ॥ क्यान रहता किनामे है।

हिरु माधूनी। साउदार रेथर्ग्यस्क किरम रेथर्ग थित्।। बीकृष्कित रंभरय कक्षादा मिन एक । निर्लोक करदार हामादि अथम असम ॥ जैमोठद्रश रेग काम किरमद प्रक्रिया, कुल्याएक कोमोहरद आस स्टब काम।।

মদন মাধুই রিবাকছলে রতিকীড়া। রানিনী বিভিন্ত ১ ১৯কা।

ैंद्व करि विस्ता, यस ८ धनस, छोभोद्र ध्वनाटम करोट ठिवक्रीरी रुदेव तथ ।

बिरायम खन भारम, १५४१०० र आयमण्यारम, विश्व राय भारम भारम, तिभारम मा या में अध्यात

মধ্যমন্ত্রিতি দশং কংগ্রাং রাজ্য মধ্যিক স্থিতি ক্রম্বিকা, বুল পুলা কিল রের। ইউর অন্যর, কি এনে সম্ভত, ক্ষমর সংস্কৃতি দিলে । সংখ্যে ৮--का, नाम फिल्लाल, रिलान केवन एकिएन। क्षार्ट्य वार्तिका, (स.वि হারালাক্ষা, স্বাস্থা ব্যাবাশ্যা ৮ ৯১১ ছালাড়ছ, ব্যালা গুরা, হা, মন্ত্ **क टेंक धनी** : अपांट **मु**ल्ला, कार्याटक नियाल, कि कन स्थाला, कि प्रमास्त्रकार तहा, त ११व होय अच्छा प्राच्छा का कहा कालि । अगर काला विकास **ब्रह्म श**न्नात्र कि देव । असे अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके well wife. Proper what his letter, which will be not -<mark>क्षेत्र फान्तर तु, नर्र</mark>ा के राज्य स्थाप , प्राप्त क्षेत्र , का विकास १८ की कि सी क्रिक व बिल रेखाय, मबमाठ करत किति। एकि काटमारण, कमराम लाग्हारन, विक्र काला कुछुर दी । कठिए इ. ११ ता, खण्डि हम प्रवि, खनशाही । अप म। इटम क्लंडकर, नामिर्ड इक्षत्र, आर्थात् विट्रव्हन्छम्। मन् कार লাশ, করিবে একাশ, মন আশো পুরাইবে। দিয়ে প্রেমবিন্দ্, তারি अविवाह, चटार्थ देनु धवांकेटा । अधिराह् समन, द्विका समन, दृष्टि इनकार्तिनी । लिख प्रशंभन, जोर खारनवृत, बादम्यक्षिती ॥ यजन জীপা, করি অতি রিষ, ইন্ট্রিগ রূপে মাজে। তথক প্রিয়সি, রতি রূপ ति, उत करत स्थानि भारक ॥ क्षृत्रसम् प्राम्न, स्थान व्यामकाम, व्याप-ক্রের রক্ষেণ বিজবর ক্য়, উভচ নির্ভয়, হয় রুভিপঞ্জি পক্ষে।।

वाकांत निकर्ण मनरसंत्र शक्तिश्य

পরার। এই মত কত হত কেশিক বিশেষ। কামিনী ছাড়িক ষামিনী জানি শেষ।। নিশিতে রমণী ভুষে প্রভূষে মদন। উপনী देशल जानि खुर्शिक समन !: किकार्य अपूर्क करह मरहत्म वास्त्रस বসিবাহে দিল ৰছে রছসিং হাসন।। সভা মধ্যে বসিলেন নূপতি অঞ ক্রোফীগণ মধ্যে বেন শোভে মন্ত গলা। ভূপাল ভূপোল ভূপে কহিছে নিশ্চয়। আৰু তত্ব সত্ত কৰি দিবে পৰিচয়। নাম খাল পাদি ব कोन करलाहर । कड पिन कान व्यक्ति न्यांगिर हैए जन । अन्ताम कति च्य भागेरव कि कांकि। (जासमार्क हत्न किसा), वर् स्था ে চ্জ পে হৰু বাপাসৰ মণ ছাটি। তঞ্চমুঞ্চ কৰি বহু ওক্তন বটি পদ্মীতাতে স্বিশ্বে কল্টা লয়। নিজ্ঞত্ত প্ৰত ত্ৰিল গ্ৰন্থৰ কাম্পক্তৰণৰে বাধ ীৰ এছ লাজ। মদৰ দানোৱ নাম হ**ই তাঁরাৰছ** यथन राज्य देश्य भारतमान्य । कोपर्य कार्य, प्रस् अन कहि शहामनी বত এখ খাৰ হই বারাণদাবাদী। দল দলান্দ্ৰ দেবা মনে ভালবা হৈছেৰ এক ডি**জ**্কাত পণ হিবৱৰ। আনন্দকানন জ্বনি সংগ্ৰ কাৰণ্ড भिष् क्रिया मिक् करनाम **एकत**ा स्थम खारण निष्या प्रत অত মাত্র নৃপত্তির স্বদেহ শীহরে। স্বীয় ভাগা গীম, নাই হরে হত करता वथार्थ भावेल खामाछा । ना अन्य । वटल शर्क लेख श्रेना हि त्व मक्क्य ।। भारत ६६०। नीएक कृदन काम्लाक्श्य अंकि । जीत मुख इटे ষে মম সূতাপতি।। পৰ ধন্ধ ধন্য আহি ধনা ১ন্তা। যোর প্রতি প্রয় পতि इरलम ध्वमस्।। वीद्यबाधः महाताक हेन्त हेन्दाहिक। भूरबरा যাপন্তবে আপন অহিকা। ওৱে বাপা বিটপতি দুপতি নন্দন। कानि किक्कर ब कर ब कर ब एक र कान ॥ एक लोग मो अवना कृषि कर अ চিত্তে। কুজন কুবাকে। সজেছিলাণ কুকুতো । ছুচিল আমারেণ विधित्र विक्रम्यनः। छिक्ति मधन राष्ट्रम् कत्रत्य कुत्रमः॥ सृत्यत् समुख रो ছঃবের লংঘন। শুর্ভীর জামাতা দোঁতে করে আলিজন।। नाहिक नीमा कक दर्व घटने। साजाकाटन दर्व वन करत शूर्व घटने হরি হর্ষে বাজাদ বছলী কলি বংশীরটো বংশী শুরে গোপিচিভার ্বটে।। ততোধিক হর্ষ সহচ্চেরাজ হইন। প্রেমার্থর সুখ্ ্রাক্তিক কার্গিন।। শুন ওছে ধরাধিপ বলে বিজ্ঞাবরে। এ জামাতা কার্য থের ধর বরে।।

ক্ষিক্ষ স্থাদেশ গ্ৰমাৰ্থ ভূপতিৰ অসুমতি আৰ্থনা ও তল্পুৰণে ভূপড়ির আক্ষেপ।

विश्वा, डेंडल मान: विश्व महाताण जान्त महत्र दृष्टिक काभ्र क्षा निरुक्त कतिन, रह बड़ान् । रह नरान । आयोत करे करूत. किथियकद्व विवर्ध विवृत्त सम्बद्ध। दिविक्तरदर्भ एएम सर्भ अहत्त निक्रियादिन अपूर्ण एवं एक नवकात प्रदेश भविन, कार्य अव्यक्त हैं अन अर्थ करा अनुशास नांश्माहित सका शांत्राय नक कहे गांच महिलांद **बांक कारवंद सारिक व्हेलाय, अस्त्रक रण रण्डेनी** ह्रियन। नर्मा द**ांक**रन প্রথাকিয়া শিতা মাতার শিলাগাম দেশ না সনিবল ভাষার কেলে ভই থানশাস্থানেজন কল কৰিত বিভাৱ পাইলের আলা ক'টা ब्रिंस (मध्य, (क्षत्रको अक्ष्यकृतिमः, सर्व(क्ष्म्) स्रोधः । क्षत्र हो स् स्वय नियमीहिक, जाताकि। मंद्रेशक भूतित अधार । जीवीहरण पर्या ह **তি হ'ব আখার মন জ**ন্ম অনুষ্ঠার জীচন্দ্র ও ভালাছবি **দর্শন**েব काख नाएकिए । १४ । १८५ स्वर्ति द्वाम प्रतिक्षेत्रकाम्यम कवि । इ किना। अति कान के अवस्था बाजन के प्रवास अवस्था करते. . **जार**क्ष २ गा. यात्र अर्थात । श्रेष्ट्रण कर्मात्र । श्री व्यक्त कर्मात्र । श्री व्यक्त की दश क विकि पर वारक बरेकी भारत करिया बनावांन निविध योखन। ब्रीएकेंद्र फर्स्टरन खान कड़ियां हित्सम कालि डीहात शिक्दरनव बनवहीं बर्देश कृतिर ल' उन्दर लि मक्षत कविकाय। दह सवदक। भरभादा-के बांकिएन भिड़ा मां जो रगता हरी कर्डता. खालिन किश्रिर खन-প্রতিষ্ঠান করিয়া গ্রনে অসুমৃতি করিলে আমি হুডার্থ **হট।** পতি আৰু আৰক্ষণৈতিৰ চুন্নত ভাইতি প্ৰবৰ্ণ কৰিয়া কাউৰুৰং किर्फर्ट में, के बाल भगन ! निक्रत वाका कविया आशाब कीवगटन रिडिया नवल जिन्न विराग अधिक भाषा स्थानक कार्यास्य किला निर्भ प्रतिकृष्टि प्राचित्रा अञ्चल जानिक आंगरक नीजन कृति। महन

मन्द्रशाम् स्टानी -

करिए इस विकास की स्था कि स्था

संबुद्ध हैन कर है अवस्त किरोध मुह्य कर विशेष कर किरोध कर है। उन्हांस अवस्थित कर है। विशेष कर है

श्रीक । अन्य । उम्मान्य किया क्रिया क्रिया । भाष्ट्रीक श्री कर रखा मिन तक स्वार्थ क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रया

मित्र अभिनां अकार देशन नीता। विष्णय जात्मय द्वारण तान क्षित्र । क्षित्र पृतिष्ठ विनेशाश्चा हुई निन ॥ यन विदि महनावाङ्गा विन शृद्धन पृतिष्ठ विनेशा के विद्या । तानत निकिश विकार शृद्धन । कि कि मिन शांक विद्या के निरंत्रक ॥ तानत निकिश विकार शृद्ध के स्वा । शृद्धि विद्या के स्वा । शृद्धि विद्या के स्वा । शृद्धि विद्या के स्वा । स्वा के दिव विद्या के स्व । स्व कि दिव भूता के स्व । स्व कि दिव भूता के स्व । स्व कि समी हि हि धिन करत अविद्या । स्व मिन मिन क्षा के स्व । स्व कि समी हि हि धिन करत अविद्या । स्व भी बादि के स्व । स्व के स्व के स्व के स्व के स्व । स्व के स्व । स्व के स्व के स्व के स्व । स्व के स

আসদন ও উদ্মাধুরীর থাকাশ্যরণে বিশাং ও মদদ মাধুরীর সহিত জ্ঞাদশে গদদ। ভ্রানিনী বেহাগ। ভাল আড়া। নাব বেশাঃ নিমতি, স্থা হঃধহর কর স্থাধর উন্ধতি।

নাব (৪৫) চোমন্তি, তথা প্রথম্ব কর সুল্বর ভরাও। না তেভি আ জ দালিরে, বল কর নিয়া বিভিন্ন, বিভাকর প্রিয়মীর কেয় নদ নিজি ।

जिल्मी। मण्यकी त्यां मान कर्ति, मृत्याक कृति मर्ग्यती, का त्यादिक हैं है। ममन। व्यावस्तिकों कि मृत्यते, निक्ष प्रत्यते कि कृत्यते के मिन्छते कि मिन्छते मिन्छत

र्मनभाषुत्री ।

निमा क्षेत्र । रहे भारतन करियान कियान उर अवस्थित सरा प्रश्न कीराम मिलक मक्कि करेगाहित करें है हा अवहत मकराम रमञ्जूषाहरू 🛝 लेक्स्य कन्द्र है जुला कि वयर १ क्रिमान वर्ग 🗗 🙀 🙀 🐧 ্হ প্রান্যায়েও। প্রাফীর জাশ্যে বিচাপ্রর জ্বাভ দক্তী করুকু, সেবি ित्र श्रीकृतन निर्म कातन, अध्ययम काङ् व्यिक्तरभ माहा कहिर वास्त्रिक बाहेग्रस्थ कांबीयक मधीरश्र आंश्वरण गङ्गकरत्न, आ नगर्या एवं किन्नु देन समारक प्रूपार्टभवन्य 🖽 🛎 💸 ्रेटन किन्नु 🕏 কারুণ বংলালীন পর্বরীয়ের করে অনানাড্ড নৌতাম কংকালীনী বার তাত্ত্ব করিবে না। কেগপার সমানিশ । নিপাস্ হ্রমায় দেব ৰ भव अवर्ग हहेगा आयामिटनंत प्रकृष शास्त्र । ५७ अतिहस अ**धारत**ः আণ বিয়োগ, যে জনাচাত্র জতান্ত লয়ানক কাতাগার্ভ করি যাদৃশ সহীয়াববের ধারা রাব্ধর লগাব হরণেতে ত্রালিত আমানি नेयत उद्यात ज्ञानिष कतिरमन, शस्त्र उन्नराम कुशान रहेन। व তির সমাবাণ হইতে আমাদিনের পরিত্রাণ করিরাছেন। একণে ं निवेश विभाग कहेता. हेवासी साम कावा को बिटक मामांकी कानक

भारतिकार, मुम्किन तमिरीन सम्भूश नांकाध्यवर्ग नाशकोतान निम्मूका सिक्त हरेन, वर्ग हांग्र शृंदरवत कि इत्तत काल्य स्वान स्वान काल्य काल

श्रमण्डामद्र जिल्ही जा अरहन मार्थित श्रमण ।

हातिना सितिष्ठि । जा वाहित ।

श्रमण्डा कि कमा श्रमि, भारत्य ६ वर्षे, स्राम द्रामि नाम्हरः

भागाम मिहत स्थानि । खहम जन ए. हेन्सी, हाल हर वह वह स्थान

प्रमनेशाधुती।

ৰাই॥ যথা পতিতথা পত্নী কি ভূবন বন। নারীর সাবিদ্ধী ধর্ম 🕏 পরায়ণ। স্বগমনে অসুগম না হও প্রিরমী। প্রেম্কেন নানা সে বিশ্ म क्रम कांग । अक तमि जांगारत तुताता ध्यममन । अक्षी । वेनेन एथाय मन्त्र ।। मधाप मधाप (नवा क्ष्येत छचन । मन्दर्गाक नव धा र्फि मुक्ता अथन ।। भूतामन होराखा रेहन करांका माधन । अधूरा करि যাত্রা পেছেছি স্বধন।। সন্তিমুভ সাল চল ভুপতি সমীপে , ইছঁর निवास त्यांचा वृद्दे काच करण । एकिन क्षा क स्टब्स हिना कुळा **खेलमीक देवन क**रिन नगर प्रकार प्रकार विकासिक प्रकार प्राप्त है। जिस रामिन। त्रांभ त्रह खाराच्य कर रिक्स्प् শব্ৰ কাৰ্ড সাৰ্ভিশাৰ সা क्षान मन्दर । ज्याद्धां रहम पृत्र, कांत्र न ५८ नधन । ३०% ४ (हिन क्रिन्स क्र কাৰে স্বাস্থ্য-ক্ষিত্ৰ স্বাপ্তান্ত স্থান্ধ স্বাস্থ্য কৰে প্ৰভূপতি 💰 আপি 🗱 राष्ट्रिका बाद्ध स यांचा भवन्ता क्रिकां करमायन करणा चाका है। पर्य राक्षारभएम बच ब्रुएए प्यांबेन गांदु लि। नहां मनावृद्धि प्राप्य एकता हा वीच । इस बाम मात्रिकांत्रिक बीच छन । १६ वनक व वह प्रकृत আক্ষৰ ৷ ছুচিতা আলাভা ধানে আপ্ৰ ভ্ৰম - চাল 🔭 किन्ति भ्राम । व कार्यका विकास क्राप्त अला अहा १५४८ - अन्यापस्य राप्त अस्ति करेन । कृषि महादिश्वाक का स्थाप पुरिन्द : स्वास्पाद स् ভোষাৰে **খনে উংম্প্রিয়। মানু**ই বিংশ ল' হলি ভিল্লক **জীবৰ** জী বড়নয়। লোকে পশিব জীবন। আটে টিম্বড় শতাধিক বি रणारतः । **रक्रम । धारम प्र**क्ष **क्रम क्रम । अस्ति ।** रगम करता करता भिरत हामस्य कता महलारा । १०१४ विविधि धर्म **डेमाहत्र क्या इहिंडा लियान योग मंखत आ**नग "

> भननमाध्रीत काष्णकानशस्त्र शमन ७ प्रवशिनने स (४म ।

जिनित इक। ज्ञांत्र मृत्रहिट्छ, म्हरनत विरुष्ठ, खरनं नार् गरिट्छ, तरम जाना मतिरता अरमी त्व तब इतं, खे जारतीन्त इतं, मुद्र वानना इतं, माधुद्रीरत धतिरता जाना मति कि नाधुद्री बाधुदी होते हैं रेपना नाहिक बुद्धि, किर्मत नाव बहुरता की देव दोका देवी के जैसे

बिल्ला क्षिण्या वस्तार, क्षांशास्त्र मा धितरत ।। इस्टब्स्ट तमनीत, करह भीत थित ।। तानि छव विकित्त मिन विकास विकास

মধ্যমাধুরীর ভবকে গণৰ। রাখিণী বেছাগু তাক আড়া।

लिएस हरला एक पत्रिक्षक । मुरमादल ल्यून करन कुन

परन विक उराहत्व, कामरन कत नमम, मूच कारह अमन, का क्षेत्र के काइरड ॥

लेका। वस्तवासुकी द्रोठि नीजि इक क्षत्रकार भुगांज खाँउ भूकी होता इहें के वप्तान सहस्र सहस्र महिज मिस् जांति उठिए जुनिया खाँच कालिक के विद्या समझ करान महिज मिस् जांति उठिए जुनिया कालिक के विद्या समझ करान महिज महिज महिज मिस् कालिक के विद्या कालिक के विद्य के विद्या कालिक के विद्या कालिक के विद्या कालिक के विद्या कालिक

समनमापूरी आर्द्धेक निरम्बर

ি " ছড়। নমে নত ত্রিপ্রাও ত্রিপুর জলক। কটিপরি পরিয়ার
কাল কি । কল। কলিতে জান্দী বিয়াক কলাট প্রিক ও তলরে
করাল কর কুমি কে হাকক। প্রস্তু লাকত পর কা তার কি কা সভীলী
করাল করিব বিনাশক। ইন্যান মন্ত্রিক লাকে বুক্ত কর নিজ সেবক।
ক্রিকালের কি এদুল বিনামক। পঞ্চনক লাকে বুক্ত কর নিজ সেবক।
ক্রিকালের কি ভিন্ত ক্রিকাল লাকে বুক্ত কর নিজ সেবক।
ক্রিকালের কি ভিন্ত ক্রিকাল বিরুদ্ধে জিলি বুর ক্রো লপুলক। আভাতভার
নাম তার বিয়ান আক্রিকাল আলাভারি ক্রিকালার করিবলাক। শিক্ষালাপ্রিকালার বিরুদ্ধি পারের পার ব্যাস ব্যাকক। কে ভিনি মাহালার
ক্রিকাল বিরুদ্ধি পারের পার ব্যাস ব্যাকক। কে ভিনি মাহালার
ভব্ধ আছে ব্রিলাক।

लातरकात खरत चित् अमध क्रयन।

नाशास्त्र । यक स्टार स्केन्ट्रम खाळाक मेकेन । देन स्वित्र क्ष्यां नाशास्त्र राज्या निवास नमाद्ध बन्ना नास देव सर्वाम । देखां विक्रिया क्ष्यां निवास नमाद्ध विक्रिया क्ष्यां निवास करेता । व्याप्त व्याप्त करेता स्वाप्त कर्मा क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां कर्मा क्ष्यां क्ष

मनकाम हती।

ক্ষিত্র তরাও দাংস ধরা।। শিংব নতি করি যায় জারণা আলয়। শিক্ষা করয়ে স্ততি জাবে যেনা লয়।।

🗥 समन गांधुती जन्नमः है अन करते।

निर्मान शना। अधीन अधिनी स्टान दिव मा अनिनी। अहिनदम् स्टान श्रिक अस्ति। अहिनदम् स्टान अदिन अस्ति। किनोनी निर्माद सीम अदिन उठ अन्या। उन्हों कि सिन्द सिम अधिन अस्ति। अस्ति।

মদন মাধুরীয়ু খুর্গাহোক। স্থানিনা বিভাস। তাল একভালা।

काम गढ़ एन इक्षत स्ट्लिश्स प्रश्न । देगांडना जात भू भाषी हेडना स्थाम विश्वत

্ ানাধ, এর এবলৈ, মাহন কার মতিস ভর। জন্ম চরণ, শিব চরণ, হামি মাধের ছেখো লয়।

च्या जिल्ली। नदरन नग, दिन निरामण, खिं धोनण अल। यात्र कित, नदर नवती, महे ठरक धारा करा। महिरम कित्र के वा बारोका, कानीकाल केल्लिंड स्वरूप अध्यक्त केंद्र बे किलाक इस मात्रि। 'पुठित नवत, शाहेन निरुष, निरुप्तर नना बाब, किलाक खाड़ाब, मृश्य सरम समारक रहत कुलाग, प्रकरन निर्माट त्य प्रदेश। हास्य कर्म समारक रहत कुलाग, प्रकरन निर्माट त्य प्रदेश। हास्य कर्म समारक क्रावा क्रिका कर जिलाक क्रावान, मारल देविलाक, क्रिका ता क्रिका। जन जिलाह क्रावान, लाहरद निरुद्ध का क्रावा क्रावा क्रावान क्रावान क्रिका

भवन शाब्दी आधि। इनक नवर्षकर । अस्ति। १४० हिस्सव ! त्राच्छर तुमा भवारका॥

आहार्थाः। महनमाधुद्धीसाम शासानिश किछि । हरमव महिछ देव्य एउन शक्कि ॥ अधिवाद्यते विक किदशुत्वाहेन । जन्मदिस नहां भारता किहन नहमा ॥

A EDV

क्षित्रके क्रमानकर्त न्यानी क्षेत्रासामात्र काल मकोत् साताव क्षित्रको बाद बार्ड्ड स्थानाक मुझेकडले क्षित्रा कर शहर शूर्कत्व क्षित्रको ७ व्यवन कडिस्स्य ॥

सक्त नुष्टे विकासीक रहताना निराकिक। विकास क हिमानी सम्बद्ध कहा कार्ये ॥ विकास करके शास्त्री कहिन्द कहान वर्गा। उसीस्त्र सक्त रहिन वसान निष्टान्यत्र ॥

440 M.W.

নিজ্ঞাপন !

মাৰ দিনারৰ জন্ত মাধ্রীর প্রতি দধীর উজি।

ইংবিনী মিনিটি। তাগ চেকা।

कि तेरेल माधुरी, बान भाग धारि, दू लिएत है। इंक्टिक बंदिरन रमोना हरि । बाउत हुट टेउन आण्ड नोडियान भाग, शिद्धमानक एस, स्विक्टिक क्षेत्रक संस्थित भाग, शिद्धमानक एस, स्विक्टिक

NATE TO THE PROPERTY OF THE PR

Alex and awn star efficient कार्य कर कार् व बाक विकास में पर्य करी कर . 33 कि । विकास माना । तिथि कृत्यमी, वेतिकृत्वा मूर्वे, वस् विका । विकास सम्बद्धा, करणाना का दला, उरं टावराटर । अस्टि विक्रम मान्याम, केवल एक्स भएत ।। अहे यह विहा करिन (व कतिया बाह्यी निश्वतिक साम, सुद्ध नात्म संय, सिंड शर कि देवरत बहार, जिना नहार, अरु प्रम निरंद । अन्तरतार्थ विश्वीस शारम, क्या किराज । क्यानगर कर्न, करकारक विश्वामद्राप्ट द्राम । द्रिविक्शांत्रम कि अनि, उपप्रदेश का में मुक्ति भागार ए. शनी निष्य कार्य है, करत दे हि मान । एस्पी विक में खें किटलिया, पानारे में माना मा हरता हो है पर, मट कि लिया वार पूर । हरे इन रक्त त्लार भूत हरे मुस्क्र नी नोप भान थाने, कहित्त मानुरी, मानु साम अस शोधना कि मा अ भरने, बाकि देशन भेगा। कहिएक मामन, किराह स्मिन विक्तारम । वेंछ करहे ल'न, एक इक्ति मान, भारमान्कर मोर्ग ह राष्ट्रमात्त्व, काहे कारत लंब, लाव भारक त्कला क्रिकेमाहबन. करम, जीन नहिंद कार्य।

मोना ए साधुरीक शुरू क्षम ७ विशेष स्माधिक जनर

त्री । पालंक नता नविष्क क्रिक क्रांतिन, ज लाहर नहरू । लिनि खानउन भटन निका नार कराउन মুবা বিবাৰ হইৰেনা আৰু ভোলবাৰ কৰি, ভালি নিল গৰু किर्देश सारकण रहत । अने नहें काम कि विरोध मा आर् महमाद्वाच नरह विद्यारक । यह आजा हम मुक्ति, त्यक तह हो कि अहिरमान के भाग भागे के विकास राज राज स्व. धारी मेहरी। दक्षात्मरक क्षातिश क्षानि नरह केमापू भारत निर्देशका श्रेष्ट्रिया श्रेष्ट्रिया श्रेष्ट्रिया । श्रेष्ट्रिया स्टब्स् RECEIVED OF STREET